डाक पंजीयन नं. 99/2021-23

E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com

website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

अखबार बाँटने के पहले अपनी लिखी हुई...

सिनेमाःऐश्वर्या राय बच्चन की वो...

वर्ष -09 अंक -60 | प्रयागराज, शुक्रवार 05 मई,2023 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 2.00 रूपये

संक्षिप्त समाचार

जनपद प्रयागराज मतदान प्रतिशत 05: 00 बजे तक

नगर निगम - 28.59%
नगर पंचायत - 49.93%
नगर पंचायत सिरसा - 57.13%
नगर पंचायत लालगोपालगंज-46.16%
नगर पंचायत फूलपुर-48.68%
नगर पंचायत शकरगढ़-45.14%
नगर पंचायत कोरांव-54.92%
नगर पंचायत हंडिया-50.31%
नगर पंचायत भारतगंज-53.86%
नगर पंचायत मऊआइमा-49.85%

सड़क दुर्घटना में पांच महिलाओं समेत 11 लोगों की मौत

बालोद। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले में एक सड़क दुर्घटना में पांच महिलाओं और दो बच्चों समेत 11 लोगों की मौत हो गई। पुलिस अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले के पूरूर थाना क्षेत्र के अंतर्गत जगतरा गांव के करीब बोलेरो वाहन और ट्रक के बीच हुई टक्कर में बोलेरो सवार 11 लोगों की मौत हो गई। उन्होंने कहा कि मृतकों में पांच महिलाएं और दो बच्चे शामिल हैं। उन्होंने बताया कि धमतरी जिले के सोरम–भठगांव के कुछ लोग बुधवार देर रात एक बोलेरो गाड़ी में सवार होकर विवाह समारोह में शामिल होने मरकाटोला गांव जा रहे थे।

'बेटी बचाओ' बस ढोंग है, जंतर-मंतर की घटना पर बोले राहुल ऐसा बर्ताव बहुत ही शर्मनाक है

कोलकाता (एजेंसी)। जंतर मंतर पर प्रदर्शनकारी पहलवानों और दिल्ली पुलिस के बीच हाथापाई के कुछ घंटों बाद, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भारत की बेटियों पर अत्याचार करने का आरोप लगाते हुए भाजपा पर तीखा हमला किया। ट्विटर पर राहुल ने कहा कि देश के खिलाड़ियों के साथ इस तरह का व्यवहार बहुत शर्मनाक है। 'बेटी बचाओ' सिर्फ एक बकवास है! वास्तव में, भाजपा भारत की बेटियों पर अत्याचार करने से कभी पीछे नहीं हटी। वहीं प्रियंका गांधी वाड्रा ने भी ट्वीट करते हुए कहा कि अपनी कड़ी मेहनत और लगन से देश व अपने परिवार का नाम रोशन करने वाली महिला खिलाड़ियों के आंसू देखकर बहुत दुख होता है। इनकी सुनवाई हो और न्याय दिया जाए। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भी पहलवानों और पुलिस के बीच हाथापाई को लेकर भाजपा पर निशाना साधा।

मणिपुर में हालात को नियंत्रित करने के लिए सेना तैनात,समझिये आखिर क्यों और किसने भड़काई हिंसा?

मणिपुर। आदिवासियों और बहुसंख्यक मेइती समुदाय के बीच हिंसा भड़कने के बाद स्थिति को नियंत्रित करने के लिए रातोंरात सेना और असम राइफल्स के कई दलों को फौरन तैनात किया गया। हम आपको बता दें कि हिंसा के कारण 9,000 से अधिक लोग विस्थापित हो गए। नगा और कुकी आदिवासियों द्वारा 'आदिवासी एकजुटता मार्च' आयोजित किए जाने के बाद बुधवार को हिंसा भड़क गई, जो रात में और तेज हो गई। रक्षा प्रवक्ता ने बताया कि अब तक 9,000 लोगों को सुरक्षाबलों ने हिंसा प्रभावित इलाकों से निकालकर सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया है। उन्होंने बताया कि और भी लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है। प्रवक्ता ने बताया कि करीब 5,000 लोगों को चुराचांदपुर में सुरक्षित गृहों में पहुंचाया गया, वहीं 2,000 लोगों को इंफाल घाटी में और अन्य 2,000 लोगों को तेनुगोपाल जिले के सीमावर्ती शहर मोरेह में स्थानांतरित कर दिया गया है। प्रवक्ता ने बताया कि रात में सेना और असम राइफल्स को बुलाया गया था और राज्य पुलिस के साथ बलों ने सुबह तक हिंसा पर नियंत्रण पा लिया। उन्होंने बताया, 'स्थिति को नियंत्रण में रखने के लिए फ्लैग मार्च किया जा रहा है।' हम आपको बता दें कि राज्य की आबादी में 53 प्रतिशत हिस्सा रखने वाले गैर-आदिवासी

मेइती समुदाय की अनुसूचित जनजाति (एसटी) के दर्जे की मांग के खिलाफ चुराचांदपुर जिले के तोरबंग इलाके में 'ऑल ट्राइबल स्टूडेंट यूनियन मणिपुर' (एटीएसयूएम) द्वारा बुलाए गए 'आदिवासी एकजुटता मार्च' के दौरान बुधवार को हिंसा भड़क गई। मार्च का आयोजन मणिपुर उच्च न्यायालय द्वारा पिछले महीने राज्य सरकार को मेइती समुदाय द्वारा एसटी दर्जे की मांग पर चार सप्ताह के भीतर केंद्र को एक सिफारिश भेजने के लिए कहने के बाद किया गया। पुलिस के अनुसार, चुराचांदपुर जिले के तोरबंग क्षेत्र में मार्च के दौरान हथियार लिए हुए लोगों की एक भीड़ ने कथित तौर पर मेइती समुदाय के लोगों पर हमला किया, जिसकी जवाबी कार्रवाई में भी हमले हुए, जिसके कारण पूरे राज्य में हिंसा भड़क गई। उन्होंने बताया कि तोरबंग में तीन घंटे से अधिक समय तक हुई हिंसा में कई दुकानों और घरों में तोड़फोड़ के साथ ही आगजनी की गई। इस बीच, लोगों से शांति बनाए रखने का आग्रह करते हुए मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने कहा, 'संपत्ति के नुकसान के अलावा कीमती जानें चली गई हैं, जो बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है।' मुख्यमंत्री ने कहा कि हिंसा समाज में 'गलतफहमी' का नतीजा है। उन्होंने कहा, 'राज्य सरकार कानून व्यवस्था की स्थिति बनाए रखने के लिए सभी कदम उठा रही है और लोगों के जान-माल की सुरक्षा के लिए अतिरिक्त अर्धसैनिक बलों की मांग की गई है।'

इस बीच, एक अधिकारी ने बताया कि स्थिति को देखते हुए गैर-आदिवासी बहुल इंफाल पश्चिम, काकचिंग, थौबल, जिरिबाम और विष्णुपुर जिलों तथा आदिवासी बहुल चुराचांदपुर, कांगपोकपी और तेंगनौपाल जिलों में कर्फ्यू लगा दिया गया। उन्होंने बताया कि पूरे राज्य में मोबाइल इंटरनेट सेवाएं निलंबित कर दी गईं हैं। पुलिस ने बताया कि इंफाल घाटी के कई इलाकों में कुकी आदिवासियों के घरों में तोड़फोड़ की गई, जिससे उन्हें इलाका छोड़ने पर मजबूर होना पड़ा। पुलिस ने कहा कि इंफाल पश्चिम में कुकी बहुल लांगोल क्षेत्र के 500 से अधिक निवासी अपने घर छोड़कर चले गए हैं और वर्तमान में लम्फेलपत में सीआरपीएफ शिविर में रह रहे हैं। उन्होंने बताया कि इंफाल घाटी में बीती रात कुछ पूजा स्थलों को भी आग के हवाले कर दिया गया। इस बीच, आदिवासी बहुल चुराचांदपुर जिले के करीब 1,000 मेइती लोग क्वाक्ता और मोइरांग सहित बिष्णुपुर जिले के विभिन्न इलाकों में चले गए। पुलिस ने बताया कि कांगपोकपी जिले के मोटबंग इलाके में बीस से अधिक घर भी जलकर खाक हो गए।

शरद पवार के अचानक इस्तीफे के बाद राहुल गांधी ने सुप्रिया सुले को किया फोन, कहा-फैसला वापस लेने को मनाएं

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने महाराष्ट्र के दिग्गज नेता शरद पवार के एनसीपी अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने के फैसले से स्तब्ध नजर आए। सूत्रों ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शरद पवार की बेटी और लोकसभा सदस्य सुप्रिया सुले से राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रमुख के रूप में अनुभवी राजनीतिक नेता के

इस्तीफे पर बात की। विश्वस्त सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक सुले के साथ बातचीत में उन्होंने पवार से उनका इस्तीफा वापस लेने की बात कहने का आग्रह किया है। मंगलवार को एक चौंकाने वाली घोषणा में पवार ने अपने इस्तीफे की घोषणा की और एक समिति का नाम दिया और अपने उत्तराधिकारी को चुनने का काम सौंपा। एक कार्यक्रम में की गई घोषणा ने 24 साल पुरानी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं को स्तब्ध कर दिया। पार्टी के कई कार्यकर्ता रोते और गिड़गिड़ाते हुए देखे गए कि पवार को अपना फैसला वापस लेना चाहिए। बाद में दिन में, अजीत पवार ने घोषणा की कि उनके चाचा को उनके फैसले पर 'सोचने' के लिए दो से तीन दिन की आवश्यकता होगी। पार्टी के वरिष्ठ नेता प्रफुल्ल पटेल ने संवाददाताओं से कहा कि पवार राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेताओं और समर्थकों से बार-बार अपील करने के बावजूद शांत नहीं हुए हैं कि वह अपना पद छोड़ने का फैसला वापस ले लें।

मीनाक्षी लेखी का केजरीवाल पर निशाना, कहा- उन्होंने लोगों के पैसे लूटने का एक जरिया भी नहीं छोड़ा

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर भाजपा जबरदस्त तरीके से हमलावर है। केंद्रीय मंत्री मीनाक्षी लेखी ने कहा कि साफ तौर पर कहा कि केजरीवाल ने लोगों के पैसे लूटने का एक जरिया भी नहीं छोड़ा। उन्होंने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि एक है नैतिक दोगलापन और दूसरा है क़ानून का हनन। उन्होंने(अरविंद केजरीवाल) कहा था कि मैं गाड़ी नहीं लूंगा लेकिन 7 स्टार सुविधाएं खुद के लिए बना लीं और ये सब ऐसे समय में हुआ जब कोरोना था। तब ऑक्सीजन के लिए केंद्र से कहते रहे। उन्होंने कहा कि दिल्ली की जनता त्राहिमाम कर रही थी, तब कंस्ट्रक्शन पर रोक था लेकिन तब 45 करोड़ में निर्माण हुआ। उसी दौरान मज़दूरों को दिल्ली से बाहर धकेला गया। यह नैतिक मूल्यों का हनन था।

लेखी ने साफ तौर पर कहा कि केजरीवाल ने लोगों के पैसे लूटने का एक जरिया भी नहीं छोड़ा है। उन्होंने कहा कि एक नियम है कि फर्नीचर/सज्जा की लागत एक निश्चित मूल्य से अधिक होने की स्थिति में वित्त विभाग की सहमति की आवश्यकता होती है; पर केजरीवाल ऐसा करने से बच गए और 'होशियार' का अभिनय करके देश को लूटा। साथ ही, ई-टेंडर प्रक्रियाओं में विचलन करने, ठेकेदार को 'लाभ' देने और अपने भव्य घर के शानदार निर्माण गतिविधियों को करने के संबंध में उसके द्वारा कई अवैध प्रयास किए गए हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे समय में जब दिल्ली ण्ध्न्न्छ के तनाव से गुजर रही थी, वे उन चीजों की मांग कर रहे थे, जिनके लिए उनके पास कोई व्यवस्था या प्रबंधन करने की इच्छा नहीं थी।

लेखी ने साफ तौर पर कहा कि ये पूरी पार्टी ही ऐसी है...जो सवाल इनसे पूछे जाते हैं उनके ये सीधे जवाब कभी नहीं देते। भाजपा नेता ने कहा कि लोगों को इस बात की सूचना होनी चाहिए कि उं ने अपनी चार्जशीट में तीन जगह संजय सिंह का नाम लिखा और एक जगह राहुल सिंह की जगह संजय सिंह लिखा गया। उन्होंने कहा कि उं की तरफ से यह टायपो एरर था जिसके करेक्शन की उसने अनुमति मांगी जबकि इन्होने कहा कि उं ने माफी मांगी है।

बजरंग दल पर प्रतिबंध के मुद्दे को लेकर भाजपा नेता ईश्वरप्पा ने जलाया कांग्रेस का घोषणापत्र

कलबुर्गी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता के एस ईश्वरप्पा ने बृहस्पतिवार को यहां कांग्रेस के चुनावी घोषणापत्र की एक प्रति जलाई और कर्नाटक में सत्ता में आने पर बजरंग दल पर प्रतिबंध लगाने का वादा करने को लेकर विपक्षी दल को आड़े हाथ भी लिया। बजरंग दल को एक 'देशभक्त संगठन' बताते हुए, पूर्व उपमुख्यमंत्री ने सवाल किया, "बजरंग दल पर प्रतिबंध लगाने की बात करने की उनकी (कांग्रेस की) हिम्मत कैसे हुई।" कांग्रेस ने कर्नाटक में 10 मई को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए अपने घोषणापत्र में कहा कि वह जाति और धर्म के आधार पर समुदायों के बीच नफरत फैलाने वाले व्यक्तियों और संगठनों के खिलाफ कड़ी और निर्णायक कार्रवाई करने के लिए प्रतिबद्ध है। कांग्रेस ने घोषणापत्र में कहा है, "हमारा मानना है कि कानून और संविधान पवित्र हैं।

'अर्जुन का ध्यान अपने निशाने से बलिकुल नहीं भटकता था', आखिर कर्नाटक में क्यों बोलीं प्रियंका गांधी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक चुनाव को लेकर कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी लगातार पार्टी के लिए प्रचार कर रही है। आज उन्होंने कनकगरिी में चुनावी सभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने भाजपा पर निशाना साधा। प्रियंका गांधी ने कहा कि आजकल सिलेंडर 1100 से लेकर 1200 रुपए हो गया है और आप उसे ही नहीं खरीद पा रही हैं, दाल, आटा, सब्जियां, फल सभी चीज़ें महंगी हैं इसमें से आधी चीज़े आप खरीद ही नहीं पाती होंगी। भाजपा पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि ये सब आपके साथ इसलिए हो रहा है क्योंकि एक भ्रष्ट सरकार भ्रष्ट नीतियां बना रही हैं उनकी नीतियों में आपका हित नहीं है।

प्रियंका गांधी ने कहा कि अर्जुन का ध्यान अपने नशिाने से बलिकुल नहीं भटकता था। कर्नाटक के बहनों और भाइयों, आप अर्जुन बन जाओ। उन्होंने कहा कि अपना ध्यान अपने भवष्यि पर रखो, अपनी समस्याओं पर, अपने वकिास पर, अपने बच्चों के भवष्यि पर रखो... उसे भटकने मत दो। उन्होंने कहा कि बीजेपी सरकार 3 साल से सत्ता में है। जब भी कोई नई सरकार आती है तो वह एक नई पहचान बनाने की कोशिश

करती है। उन्होंने सवाल करते हुए कहा कि क्या यह दुखद और शर्मनाक नहीं है कि कर्नाटक बीजेपी को '40इ सरकार' के रूप में जाना जाता है

कांग्रेस नेता ने दावा किया कि यह नाम किसी पार्टी ने नहीं, बल्कि उन ठेकेदारों ने दिया है, जिन्हें खुदकुशी के लिए मजबूर किया गया। वहीं, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा विजयनगर साम्राज्य के श्री कृष्णदेवराय द्वारा निर्मित प्राचीन कामकागिरी मंदिर पहुंची। इससे पहले प्रियंका ने कहा था कि नरेंद्र मोदी को उनके लोग सर्वशक्तिमान, सर्वोपरि, सर्वश्रेष्ठ, वकिास पुरुष बताते हैं। मोदी जी कर्नाटक में आकर कहते हैं- मेरा सपना था, कर्नाटक को देश में वकिास की मसिाल बनाऊं। उन्होंने कहा कि ताज्जुब की बात है- कर्नाटक में ढ्ढ की सरकार थी तो मोदी जी ने यह सपना पूरा क्यों नहीं कयिा आप तो सर्वोपरि हैं, सर्वश्रेष्ठ हैं। उन्होंने कहा कि पिछले साढ़े 3 सालों में उन्होंने (बीजेपी) कर्नाटक से डेढ़ लाख करोड़ रुपए लूटे हैं।

नीतीश ने फिर कहा, मेरा कोई निजी एजेंडा नहीं किस वजह से विपक्षी दलों को कर रहे एकजुट

पटना (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार लगातार विपक्षी एकता की कवायद में जुटे हुए हैं। नीतीश ने आज एक बार फिर से भाजपा पर हमला करते हुए बताया कि आखिर वह विपक्ष को एकजुट करने की कोशिश क्यों कर रहे हैं। उन्होंने संवाददताओं के सवालों का जवाब देते हुए कहा भाजपा पर निशाना साधा और कहा कि वे (भाजपा) देश के इतिहास को बदलना चाहते हैं इसलिए मैं विपक्षी दलों को एकजुट कर रहा हूं। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि मेरा कोई निजी एजेंडा नहीं है, यह सबके फायदे के लिए है। उन्होंने कहा कि मैं अपने लिए कुछ नहीं करूंगा। उन्होंने कहा कि हम चाहते हैं कि सबको एकजुट करना क्योंकि एकजुट होंगे तभी ये देश सुरक्षित होगा। आजकल आप देख रहे हैं कि क्या हो रहा है।

बिहार के मुख्यमंत्री ने जाति आधारित जनगणना को लेकर भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि जाति आधारित जनगणना सब लोगों के राय से तय हुआ

है ये सबके हित के लिए हो रहा है लेकिन मुझे समझ में नहीं आ रहा इसका विरोध क्यों हो रहा है...इसका मतलब लोगों को मौलिक चीज़ों की समझ नहीं है। उन्होंने कहा कि ये पहले अंग्रेज़ों के जमाने से तो होता ही था, ये 1931 से बंद हुआ। इससे पहले नीतीश कुमार अपने गृह जिला नालंदा से 2024 में लोकसभा चुनाव लड़ने की संभावनाओं के संबंध में पूछे गए सवालों को बड़े ही आसानी से टाल गए। नीतीश की पार्टी, हालांकि, सीट को बरकरार रखने में सक्षम रही है। मौजूदा सांसद कौशलेंद्र कुमार, जो लगातार तीसरी बार अपना कार्यकाल पूरा कर रहे हैं। पिछले साल नीतीश के राजग से बाहर होने के परिणामस्वरूप बिहार में सत्ता गंवाने वाली भाजपा नीतीश की राहुल गांधी, ममता बनर्जी, अरविंद केजरीवाल और अखिलेश यादव जैसे कद्दावर विपक्षी नेताओं के साथ मुलाकात करने से भड़की हुई है और उसने स्पष्ट रूप से दावा किया है कि "2024 में प्रधानमंत्री पद के लिए कोई रिक्ति नहीं है।" अटल बिहारी वाजपेयी नीत सरकार में महत्वपूर्ण विभागों का प्रभार संभालने वाले नीतीश 2024 में प्रधानमंत्री पद के लिए उनकी उम्मीदवारी के अटकलों पर स्पष्ट कर चुके हैं कि उनकी ऐसी कोई "महत्वाकांक्षा नहीं है।

मुठभेड़ में मारा गया खूंखार गैंगस्टर अनिल दुजाना यूपी एसटीएफ ने किया ढेर

मेरठ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश एसटीएफ के साथ मुठभेड़ में खूंखार गैंगस्टर अनिल दुजाना मारा गया है। गैंगस्टर अनिल दुजाना गौतम बुद्ध नगर जिले के बादलपुर थाना अंतर्गत दुजाना गांव का रहने वाला था। मारे गए दुजाना का पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में खौफ था और वह एक संगठित आपराधिक गिरोह चलाता था। वह 2021 से फरार चल रहा था। मारे गए गैंगस्टर के खिलाफ हत्या, रंगदारी, डकैती, जमीन हड़पने, बेदखली समेत 62 आपराधिक मामले दर्ज हैं। झांसी में अतीक अहमद के बेटे असद की हत्या के बाद यूपी एसटीएफ द्वारा मुठभेड़ में यह दूसरी हाई प्रोफाइल हत्या है। असद कथित रूप से उमेश पाल की हत्या में वांछित था।

बसवराज बोम्मई बोले, साम्प्रदायिक भावनाओं को भड़काना ठीक नहीं कांग्रेस एसडीपीआई और पीएफआई की गिरफ्त में

नई दिल्ली। कर्नाटक विधानसभा चुनाव को लेकर लगातार प्रचार जारी है। कांग्रेस ने भी अपनी पूरी ताकत झोंक रखी है। वहीं, भाजपा सत्ता में वापसी को लेकर राज्य में खूब मेहनत कर रही है। राज्य में मुख्य मुकाबला कांग्रेस और भाजपा के बीच ही माना जा रहा है। इन सब के बीच कर्नाटक के मुख्यमंत्री और भाजपा नेता बसवराज बोम्मई ने कांग्रेस पर निशाना साधा है। बसवराज बोम्मई ने कहा कि हम अपने कार्यक्रमों के आधार पर चुनाव लड़ते हैं, वे अपने वादों पर चुनाव लड़ते हैं। उन्होंने कहा कि चुनाव में बेवजह जाति, धर्म और साम्प्रदायिक भावनाओं को भड़काना ठीक नहीं है, यह कांग्रेस की तुष्टीकरण की राजनीति को दर्शाता है।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस पार्टी आज एऊइ्र और इइ्र की गिरफ्त में है, और वह इससे बाहर नहीं निकल सकती। संवाददताओं से

बातचीत में उन्होंने कहा कि एसडीपीआई, पीएफआई के खिलाफ बात करेंगे तो कांग्रेस के नेताओं को चिंता सताने लगेगी। उन्होंने कहा कि पीएफआई एसडीपीआई का दूसरा रूप है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने खुलेआम एसडीपीआई से समर्थन मांगा था। बोम्मई ने दावा किया कि एऊइ्र और इइ्र कांग्रेस के समय में मजबूती से बढ़े। इससे पहले बोम्मई ने मंगलवार को कहा था कि अगर भगवान हनुमान के भक्त कांग्रेस के खिलाफ भड़क उठे तो देश से कांग्रेस का सफाया हो जाएगा। दरअसल, बसवराज बोम्मई कांग्रेस के घोषणापत्र पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त कर रहे थे। बोम्मई ने कहा कि कांग्रेस का बजरंग दल और पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया के बीच समानताएं बनाना अनुचित है। कांग्रेस ने अपने घोषणापत्र में कहा है कि वह बजरंग दल और पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया जैसे संगठनों पर प्रतिबंध लगाएगी। बोम्मई ने कहा कि कांग्रेस सत्ता में नहीं आएगी और बजरंग दल पर प्रतिबंध लगाने का सवाल ही नहीं उठेगा। उन्होंने कहा, "हालांकि, इस तरह के वादे उनकी (कांग्रेस) नीति को दर्शाते हैं। बजरंग दल एक सामाजिक और धार्मिक सेवा संगठन है। पीएफआई ने देश के खिलाफ काम किया है, आतंकी गतिविधियों में शामिल रहा है और उसके खिलाफ कई मामले एवं सबूत हैं। इसलिए पीएफआई की बजरंग दल से तुलना करना उचित नहीं है।

निकायों में मजबूती के साथ बनने जा रही ट्रिपल इंजन सरकार : नन्दी

औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने किया मतदान

आधुनिक समाचार सेवा

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने आज बहादुरगंज, प्रयागराज के ठाकुरदीन जूनियर हाई स्कूल स्थित बूथ क्रमांक-932 पर मतदान किया। मतदान के बाद मंत्री नन्दी ने कहा कि प्रत्येक वोट बहुमूल्य है और मजबूत लोकतन्त्र की आधारशिला है। केंद्र सरकार में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी और उत्तर प्रदेश में माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व वाली डबल इंजन की सरकार जहां उत्तर प्रदेश सर्वोत्तम प्रदेश बनने की ओर अग्रसर है। वहीं निकाय चुनाव में उत्तर प्रदेश की जनता जनार्दन ट्रिपल इंजन की सरकार बनाने के लिए उत्साह और उमंग के साथ मतदान कर रही है। निकायों में पूरी मजबूती के साथ ट्रिपल इंजन की सरकार बनने जा रही है।

जमीनी विवाद में मारपीट दंपति गंभीर रूप से घायल

आधुनिक समाचार सेवा

फूलपुर। सरायमामरेज थाना क्षेत्र के खानपुर डांडी गांव में जमीन पर कब्जा को लेकर कुछ शरारती तत्वों ने पति पत्नी को लाठी डंडे और हथियार से जमकर पिता जिससे दोनो गंभीर रूप से घायल हो गए पीड़ित ने थाने में तहरीर देकर कार्यवाई की मांग की है। सरायमामरेज थाना क्षेत्र के खानपुर डांडी गांव निवासी प्रेम चंद्र प्रजापति पुत्र राजाराम का आरोप है की वह अपना पुराना पुस्तैनी कच्चा मकान गिराकर उस पर नव निर्माण कर रहा था इसी बीच पड़ोस के कमलाकांत पुत्र रामसुचित और उनके लड़के आलोक कुमार,अनिल कुमार,अमित कुमार वा पुत्री सरिता देवी तथा पत्नी शिव कुमार एक राय होकर हमारी जमीन पर कब्जा करने की नियत से लाठी डंडा,सरिया आदि लेकर गाली गलौज करते हुए मारपीट करने लगे अपनी जान बचाकर जब हम दोनो अपने घर के अंदर भाग कर जान बचाना चाहा तो उपरोक्त लोग घर में घुस कर जान से मारने की नियत से हम दोनो पर हमला कर दिया जिससे हम और हमारी पातीं संगीता देवी को गंभीर चोटे आई है उपरोक्त लोगो के खिलाफ मुकदमा कायम कर कानूनी कार्रवाई की जाय मामले में पुलिस जांच पड़ताल में जुटी है।

चुनावी प्रचार को लेकर अल्ट्राटेक के सिक्योरिटी गार्ड ने बसपा कार्यकर्ताओं को रोका

आधुनिक समाचार सेवा

डाला सोनभद्र। उत्तर प्रदेश में नगर पंचायत नगर निकाय चुनाव में परचम फहराने के लिए सभी राजनीतिक दलों ने अपनी-अपनी पूरी ताकत झोंक रखी है। वहीं 11 मई को होने वाली दुसरे चरण की वोटिंग को लेकर बृहस्पतिवार के दोपहर में चुनाव प्रचार के क्रम में बहुजन समाज पार्टी के कार्यकर्ताओं समेत उमीदवार सरोज देवी, बसपा विधानसभा प्रत्याशी अविनाश शुक्ला के नेतृत्व में चुनावी बसपा कार्यलय का शुभारंभ किया गया इसके साथ ही प्रचार प्रसार को लेकर डाला नगर में भ्रमण करते हुए निजी कंपनी अल्ट्राटेक सीमेंट फैक्ट्री के आवासीय परिसर गेट पर पहुंच गए जहां कंपनी के सिक्योरिटी गार्ड्स के द्वारा बसपा कार्यकर्ताओं समेत प्रत्याशी को आवासीय परिसर में जाने से रोक दिया गया और दोनों के बीच अंदर जाने के लिए बातचीत हुई लेकिन बात नहीं बनी।

इस दौरान प्रकाश उर्फ पप्पू सिंह ने बताया कि जब हम सभी कार्यकर्ताओं ने निजी कंपनी अल्ट्राटेक सीमेंट फैक्ट्री आवासीय परिसर गेट पर पहुंचे तो वहां पर मौजूद सिक्योरिटी गार्ड्स ने बसपा के सभी कार्यकर्ताओं को गेट पर रोक कर अंदर जाने के लिए मना कर दिया गया और कहा गया कि अंदर प्रचार प्रसार करना मना है

इसके बाद बहुत प्रयास किया गया लेकिन कंपनी के सिक्योरिटी गार्डो ने हमारी कोई बात नहीं सुनी फिर थक हार वापस आना पड़ा।

इस संबंध में बसपा के अविनाश शुक्ला ने बताया कि जब हम सभी प्रचार प्रसार के लिए कंपनी के आवासीय परिसर गेट पर पहुंचे तो कंपनी के सिक्योरिटी गार्ड ने हम लोगों को अंदर जाने से मना कर दिया और केवल पांच लोग ही जा सकतें है।

वहीं राज्य निर्वाचन आयुक्त मनोज कुमार ने मतदान निष्पक्ष, स्वतंत्र व पारदर्शिता के साथ कराने में कोई कोर कसर ना छोड़ने के निर्देश दे दिए हैं। इसके साथ ही उन्होंने अधिकारियों को हिदायत देते हुए कहा कि निष्पक्ष चुनाव कराने में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। चुनाव के दौरान अव्यवस्था फैलाने वालों पर नजर रखने के साथ ही उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के भी निर्देश दिए हैं।

खेलो इण्डिया यूनिवर्सिटी गेम्स-2022 की लॉन्च सेरेमनी का किया जायेगा सजीव प्रसारण आज

मा0 मुख्यमंत्री जी द्वारा व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु प्रदेश के 04 रूट पर की जायेगी रवाना मशाल रैली

अमेठी।खेल निदेशालय, उ0प्र0 के निर्देशानुसार जिला क्रीड़ाधिकारी आनन्द बिहारी श्रीवास्तव ने अवगत कराया है कि खेलो इण्डिया यूनिवर्सिटी गेम्स-2022 का प्रदेश के जनपद लखनऊ/वाराणसी/गोरखपुर/गौतमबुद्धनगर (नोएडा) एवं दिल्ली में 25 मई 2023 से 03 जून 2023 तक आयोजित किया जायेगा। उन्होंने बताया कि 05 मई 2023 को प्रातः 09:00 बजे खेलो इण्डिया यूनिवर्सिटी गेम्स-2022 की लॉन्च सेरेमनी (लोगो, एन्थम, जर्सी, मशाल) जुपिटर हॉल, इन्दिरा गांधी प्रतिष्ठान, गोमती नगर लखनऊ में आयोजित की जायेगी। उक्त लॉन्च सेरेमनी के मुख्य अतिथि मा0 मुख्यमंत्री, उ0प्र0 योगी आदित्यनाथ, मा0 मंत्री युवा मामले, खेल और सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार अनुराग सिंह ठाकुर तथा विशिष्ट अतिथि मा0 राज्यमंत्री गृह व युवा मामले एवं खेल, भारत सरकार निसिथ प्रमाणिक, मा0 मंत्री खेल एवं युवा कल्याण विभाग, उ0प्र0 गिरिश चन्द्र यादव होंगे। इस सम्बन्ध में उन्होंने बताया कि लॉन्च सेरेमनी के अवसर पर खेलो इण्डिया यूनिवर्सिटी गेम्स-2022 के व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु प्रदेश के 04 रूट पर मशाल रैलियॉ मा0 मुख्यमंत्री, उ0प्र0 सरकार द्वारा रवाना की जायेगी जिसका सजीव प्रसारण डॉ0 भीमराव अम्बेडकर स्टेडियम, अमेठी में प्रातः 08:00 बजे किया जायेगा। इस हेतु जनपद के अधिक से अधिक खिलाड़ी उपरोक्त स्थल पर समय से उपस्थित होकर सजीव प्रसारण को देख सकते है।

एस0पी0पी0पब्लिक स्कूल का वार्षिकोत्सव 7 मई को

आधुनिक समाचार सेवा

प्रतापगढ़।एस0पी0पी0पब्लिक स्कूल पूरे झाऊ,तेजगढ़ का वार्षिकोत्सव समारोह 7 मई को प्रातः 7:30 बजे से आयोजित किया गया है। कॉलेज के अध्यक्ष शिव प्रसाद पाण्डेय ने बताया कि वार्षिकोत्सव समारोह के मुख्य अतिथि पंडित श्याम शंकर पाण्डेय होंगे।अध्यक्षता विद्यावती सिंह करेंगी।कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि पूर्व प्राचार्य डॉ0रामसेवक सिंह,डॉ0सविता उपाध्याय,डॉ0 राजेंद्र मिश्र एवं डॉ0दिनेश प्रताप सिंह होंगे।समारोह में राष्ट्रीय कवि डॉ0रणजीत सिंह का एकल काव्य पाठ होगा।छात्र-छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति होगी।

जिलाधिकारी ने स्ट्रांग रूम/मतगणना स्थल का किया निरीक्षण, दिए आवश्यक निर्देश

अमेठी। जिला मजिस्ट्रेट/जिला निर्वाचन अधिकारी (न0नि0) राकेश कुमार मिश्र ने नगरीय निकाय सामान्य निर्वाचन-2023 के दृष्टिगत नगर पंचायत मुसाफिरखाना के एएच इंटर कॉलेज में बनाए गए स्ट्रांग रूम/मतगणना स्थल का निरीक्षण कर संबांधित अधिकारियों को समस्त तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने निरीक्षण के दौरान स्ट्रांग रूम में साफ-सफाई, लाइट की व्यवस्था, सीसीटीवी कैमरे सहित सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम करने को कहा। उन्होंने कहा कि मतपेटी जमा होने के उपरांत स्ट्रांग रूम को पूरी तरह

सील किया जाएगा एवं 24 घंटे सुरक्षाकर्मी मौजूद रहेंगे। उन्होंने मतगणना स्थल पर बैरिकेडिंग, टेंट, लाइट, पीने का पानी, शौचालय, पार्किंग सहित अन्य व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने को कहा। जिलाधिकारी ने निर्वाचन आयोग की गाइडलाइन के अनुसार स्ट्रांग रूम एवं मतगणना हाल में समस्त व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उपजिलाधिकारी मुसाफिरखाना सविता यादव, तहसीलदार मुसाफिरखाना संगीता पांडेय सहित अन्य संबंधित मौजूद रहे।

नगरीय निकाय निर्वाचन हेतु मतदान कार्मिकों का द्वितीय प्रशिक्षण संपन्न

मास्टर ट्रेनरों द्वारा पीपीटी एवं वीडियो के माध्यम से दिया गया प्रशिक्षण

अमेठी।जिला मजिस्ट्रेट/जिला निर्वाचन अधिकारी (न0नि0) राकेश कुमार मिश्र के निर्देशन में नगरीय निकाय सामान्य निर्वाचन-2023 में लगे मतदान कार्मिकों का दो दिवसीय द्वितीय प्रशिक्षण जिला पंचायत रिसोर्ट सेंटर में दिया गया। प्रशिक्षण दो पालियों में दिया गया, जिसमें प्रथम पाली में कुल 26 पोलिंग पार्टी (104 कर्मचारियों) व द्वितीय पाली में 26 पोलिंग पार्टी (104 कर्मचारियों) जिसमें पीठासीन अधिकारी, प्रथम मतदान अधिकारी, द्वितीय मतदान अधिकारी व तृतीय मतदान अधिकारी सम्मिलित थे। मतदान कार्मिकों को प्रशिक्षण अजय कुमार

सिंह सहायक नोडल अधिकारी के नेतृत्व में मास्टर ट्रेनर संजय वर्मा, संजय प्रकाश, देवेश शर्मा, संदीप सिंह, प्रदीप श्रीवास्तव, मोहम्मद असलम, नरेंद्र कुमार के द्वारा पीपीटी एवं वीडियो के माध्यम से दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान मास्टर ट्रेनरों द्वारा मतपेटिका को खोलने एवं उसे सील करने के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। प्रशिक्षण में बढ़ते कोरोना वायरस के दृष्टिगत डॉ शुभम पांडे फिजीशियन द्वारा बचाव के तरीके बताए गए साथ ही चुनाव के दौरान उपलब्ध कराई जा रही मेडिकल किट के बारे में जानकारी प्रदान की गई। निकाय चुनाव में कार्यरत कार्मिकों को मुख्य विकास अधिकारी/प्रभारी अधिकारी मतदान कार्मिक सान्या छाबड़ा ने संबोधित करते हुए निष्पक्ष व शांतिपूर्ण मतदान कराने की अपील किया। प्रशिक्षण के दौरान जिला विकास अधिकारी तेजभान सिंह सहित अन्य संबंधित मौजूद रहे।

पुलिस के जवाबी कार्रवाई में मेरठ में गैंगस्टर अनिल दुजाना ढेर यूपी एसटीएफ के मुठभेड़ में मारा गया सुंदर भाटी पर एके-47 से हमले का आरोप दुजाना की गाड़ी से कई हथियार बरामद बड़ी वारदात को अंजाम देने जा रहा था मेरठ के जानी इलाके में एनकाउंटर हुआ पिछले महीने ही जमानत पर रिहा हुआ था।

उप्र निकाय चुनाव 2023 के प्रथम चरण की वोटिंग का हुआ समापन प्रयागराज में 28.59प्रतिशत वोट हुआ

प्रयागराज। नगर निगम चुनाव 2023 का समापन हो चुका है और उसके प्रथम चरण के चुनाव में जहां प्रयागराज में 28.59इ निकाय चुनाव में वोटिंग हुई। वही 49.93इ वह पंचायत चुनाव में वोट पड़े। आज सुबह सवेरे से ही सभी बड़े नेताओं ने वोटिंग की कमान संभाली हुई थी, जहां सबसे पहले भारतीय जनता पार्टी के पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं शहर पश्चिमी से विधायक सिद्धार्थ नाथ सिंह अपना वोट डाला, वही उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, रीता बहुगुणा जोशी, केसरी देवी पटेल ने भी अपने मताधिकार का प्रयोग किया। वही बात करें कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल नंदी की तो उन्होंने भी अपने मताधिकार का प्रयोग करते हुए अंतिम क्षणों पर वोटिंग की। पूर्व मेयर अभिलाषा गुप्ता नंदी द्वारा वोट डालने की कोई सूचना नहीं प्राप्त हो सके। अगर बात की जाए

निकाय चुनावों की तो छुटपुट घटनाओं के बावजूद पूरी चुनाव में किसी प्रकार की कोई अप्रिय घटना नहीं हुई है। कई जगहों पर प्रत्याशियों के समर्थक आपस में कहासुनी करते हुए पाए गए। एक स्थान पर हर्षवर्धन बाजपाई के साथ हूटिंग की गई।इस पूरी चुनावी प्रक्रिया में 1180 बूथों पर चुनाव संपन्न हुए जिसमें से 67 बूथ अतिसंवेदनशील रहे जिस में अतिरिक्त सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। सरकारी सुरक्षा एजेंसी एवं अर्धसैनिक बलों की टुकड़ियों का डिप्लॉयमेंट किया गया था, जिसकी वजह से चुनाव में शांति व्यवस्था बनी रही।पूरी चुनावी प्रक्रिया में जहां 7 महिलाओं को फर्जी वोटिंग करते हुए गिरफ्तार किया गया, वहीं 16 से ज्यादा लोगों को अवैद्य दस्तावेजों के साथ वोटिंग सेंटर के बाहर पकड़ा गया जिनके साथ पूछताछ की जा रही है। इस पूरी चुनाव प्रक्रिया में है आकर्षण का केंद्र बना रहा हूं शंकरगढ़ में दोहे द्वारा वोटिंग करना जिसमें शादी की बरात जाने से पूर्व दूल्हा वोट डालने मतदान केंद्र में पहुंचा।

फूलपुर में चैकिग के दौरान 21,48000 इक्कीस लाख अढतालीस हजार नकद व 1,2000000 करोड का सोना बरामद, कुल बरामदगी एक करोड़ पचास लाख

आधुनिक समाचार सेवा

फूलपुर। प्रभारी निरीक्षक झ्ल्त्ज्ले अपनी इएऊ/एएऊ टीम द्वारा कस्बा फूलपुर में नगर पंचायत चुनाव 2023 को सकुशल सम्पन्न कराये जाने हेतु, शराब एवं रूपया इत्यादि के आवागमन ?व जब्तीकरण सम्बन्ध में वाहन चेकिंग करते समय वाहन संख्या ळइ70ँ3255 स्कार्पियो से एक व्यक्ति शेख अबु तालेब पुत्र शेख हन्नान निवासी जंगलपारा बाजार, अलीपुर, हूगली पश्चिम बंगाल पिन 712701 वाहन स्वामी मोदअन्वर पुत्र नफीस वार्ड नंबर 10 नगर पंचायत हंडीया मोहल्ला खानपारा प्रयागराज से 2100000(लाख रूपये व 1 कि0975 ग्राम 760ु सोना 150,00000 करोड़ रूपये कीमतीङबरामद हुआ है , जिसके सम्बन्ध में पूछताछ की गयी तो उपरोक्त व्यक्ति द्वारा रूट के सम्बन्ध में भी कुछ स्पष्ट नहीं बता पा रहा है, न ही उक्त बरामदगी के सम्बन्ध में भी स्पष्ट रूप से सन्तोष जनक उत्तर नहीं दिया जा रहा है संदिग्ध प्रतीत हो रहा है ।

भीषण गर्मी में सुराही मटका की मांग तेज

प्रयागराज। गर्मी का मौसम शुरू होते ही पानी के मटकों की खरीदारी जारी बाजार क्षेत्र में तेजी से शुरू हो गई है। भीषण गर्मी के साथ ही क्षेत्र के बाजारों में घड़े एवं सुराही की मांग बढ़ गई है। इसको लेकर कुम्हार भाई भी इन दिनों घड़े व सुराही का निर्माण बड़ी मात्रा में कर रहे हैं। मध्यम वर्गीय एवं गरीब तबके के लोग भीषण गर्मी से बचने के लिए सुराही तथा मिट्टी के बर्तन का ही प्रयोग करते हैं। इसमें रखा पानी अधिक समय तक शीतल रहता है। वैसे आज के दौर में अधित्तर लोग फ्रीज का पानी ज्यादा पीते ज्यादा पसंद करते हैं, लेकिन अब भी काफी लोग ऐसे भी है जो मटके का पानी ही पीना ठीक समझते हैं। इसके अलावा लोगों की पसंद को ध्यान में रखते हुए मटकों को स्टाइलिश लुक भी दिया जा रहा है। सुराही भी आधुनिक तरीके से तैयार की जा रही है। मटकों की खरीदारी करते देखा जा सकता है। कई हिस्सों में मटकों की बिक्री शुरू हो चुकी है। सड़क किनारे फु टपाथ पर भी मटके बेचने वाले दिख जाएंगे।

डाला में 82 के तहत चस्पा किया गया नोटिस

आधुनिक समाचार सेवा

डाला/सोनभद्र - स्थानीय डाला पुलिस चौकी क्षेत्र के अंतर्गत मलिन बस्ती में धारा 82 के तहत कुड़की का नोटिस चस्पा व डुगडुगी पुलिस प्रशासन ने बजवाया।

बृहस्पतिवार दोपहर लगभग 11:30 बजे के करीब डाला पुलिस चौकी क्षेत्र के मलिन बस्ती फिरोज खान पुत्र मुन्ना खान के खिलाफ डाला पुलिस प्रशासन ने मुकदमा अपराध संख्या 38/23 धारा 376(3)व धारा 3(2)5 एससी एससी एसटी एक्ट व धारा 3/4(2) पाक्सो अधिनियम थाना चोपन जनपद सोनभद्र से संबंधित अभियुक्त फिरोज खान पुत्र मुन्ना खान निवासी मलिन बस्ती के घर पर मा0 न्यायालय द्वारा जारी आदेश अंतर्गत धारा 82 सीआरपीसी के तहत डुगडुगी बजाते हुए नोटिस चस्पा किया गया साथ ही जल्द से जल्द पुलिस प्रशासन या न्यायालय समक्ष हाजिर होने के लिए आसपास के लोगों को अवगत कराते हुए कहा गया ।इस दौरान डाला चौकी इंचार्ज राजेश प्रताप सिंह आलोक पांडे दीपक कुमार महिला कांस्टेबल के साथ अन्य लोग मौजूद रहे।

किसानों ने मैहर अनुविभागीय अधिकारी एवं तहसीलदार को लिखा पत्र

शारदा सागर डेम का निर्माण से पहले उचित रेट से मुआवजा फिर करे निर्माण

आधुनिक समाचार सेवा

मैहर। शारदा देवी जी धाम के पीछे शारदा सागर बांध का निर्माण को लेकर पत्र के माध्यम से कहा गया यह की शारदा देवी मैहर के पीछे हम लोगों की कृषि भूमिया है तथा हम सभी काश्तकार अपनी अपनी भूमियों में दोनों फसलें प्राप्त करते हैं उक्त सभी फसलें सिंचित है कुछ भूमियों में कुआं तथा कुछ भूमि में ट्यूबेल आस पड़ोस के काश्तकार सिंचाई करते चलो आ तथा अपने परिवार का पालन पोषण करते आ रहे है।यह कि दो-तीन दिनों से हम लोगों की उक्त भूमियों में रीवा के ठेकेदार के द्वारा कई जेसीबी ट्रैक्टर इत्यादि मशीन ले जाकर शारदा सागर बांध बनाने का काम शुरू किए हम लोग मौके पर गए तथा ठेकेदार तथा उसके कर्मचारियों से पूछताछ किया तब पता चला कि शारदा सागर बांध का निर्माण कार्य होना तो हम सभी का कास्तकारों ने मना किया कि बिना काश्तकारों की सहमति के बिना भूमिका उचित मूल्यांकन किए बिना नोटिस सूचना के कैसे निर्माण हो रहा है काम बंद करो भूमि हमारी है बिना मुआवजा क्षतिपूर्ति के भूमि नहीं देंगे अन्यथा हमारा पूरा परिवार भूखों मरेगा ठेकेदार द्वारा यह कहा गया कि आप लोग अधिकारियों से मिलिए हम लोगो को आदेश मिला है तो हम काम करेंगे और ठेकेदार ने काम बंद नहीं किया वर्तमान समय में कई मशीनों के साथ काम तेज गति से चल रहा है।

ससुराल की जमीन गहन रखने को लेकर ससुर की हत्या करने के मामले में दामाद को न्यायालय ने सुनाई आजीवन कारावास की सजा

आधुनिक समाचार सेवा

अमरपाटन। ससुर की हत्या करने के मामले में द्वितीय अपर सत्र न्यायाधीश राघवेंद्र सिंह चौहान जी की अदालत ने दामाद तो सुनाई आजीवन कारावास की सजा 2000 के अर्थदंड से किया दंडित , दरअसल घटना 13 जून 2021 की है जहां रामनगर थाना अंतर्गत ग्राम मड़करा में आरोपी विपिन पटेल ने अपने ससुर रमेश पटेल की पहले गला दबाकर हत्या की जब नहीं मारा तो चाकू से उसका गला काटकर हत्या कर दी थी जिसका मामला रामनगर थाने में दर्ज हुआ था वहीं पुलिस ने जांच के दौरान दो आरोपियों को पकड़ा जिसमें एक मृतक का बेटा जो कि नाबालिग था वही दूसरा उसका दामाद विपिन पटेल था , यही मामला न्यायालय में विचाराधीन क्रिया या जहां द्वितीय अपर सत्र न्यायाधीश श्री राघवेंद्र सिंह चौहान जी की न्यायालय ने आज आरोपी विपिन पटेल को हत्या के मामले में आजीवन कारावास की सजा सुनाई हैं साथ ही ?2000 के अर्थदंड से दंडित किया हैं वही बेटा नाबालिक है जिसका एक बाल न्यायालय में विचाराधीन हैं , अभियोजन की ओर से अजय सिंह एडीपीओ द्वारा पैरवी की

उत्तर प्रदेश में लखनऊ वाराणसी गोरखपुर गौतम बुद्ध नगर में आयोजित किए जा रहे हैं

चित्रकूट। मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार लॉन्च सेरेमनी लोगो जर्सी को जारी करेंगे जिसका सजीव प्रसारण स्पोर्ट्स स्टेडियम चित्रकूट में 5मई2023 की प्रातः 9 से स्टेडियम में एलईडी के माध्यम से खिलाड़ियों को दिखाया जाएगा समस्त खिलाड़ियों वरिष्ठ खिलाड़ियों प्रशिक्षकों खेल अध्यापकों यूथ क्लब ओलंपिक संघ खेल संघ सभी से अनुरोध है 07मई2023 को आयोजित होने वाली टॉर्च रिले अब 18 मई 2023 को प्रातः 6 एलआईसी तिराहे से प्रारंभ होकर स्पोर्ट्स स्टेडियम में समाप्त होगी कृपया 7 मई के स्थान पर आप सभी खिलाड़ी खेल प्रेमी खेल संघ खेल अध्यापक आदि 18 मई को प्रातः 6 बजे एलआईसी तिराहा में आकर टॉर्च रिले में भाग लेने की कृपा करे।

शिशु की 6 माह की आयु तक शीघ्र व केवल स्तनपान उसके जीवन की रक्षा के लिए अत्यन्त आवश्यक है

चित्रकूट। परन्तु समाज में प्रचलित विभिन्न मान्यताओं व मिथकों के कारण 6 माह तक केवल स्तनपान सुनिश्चित नहीं हो पाता है, बल्कि परिवार के सदस्यों द्वारा शिशु को घुट्टी शहद चीनी का घोल आदि का सेवन करा दिया जाता है, जिसके परिणाम स्वरूप शिशुओं में कई प्रकार के संक्रमण हो जाते है, जोकि शिशु के स्वस्थ जीवन के लिए अत्यन्त घातक सिद्ध होता है। शोध में पाया गया है कि शिशुओं को केवल स्तनपान कराने में माँ के दूध के साथ-साथ पानी पिलाना, प्रमुख बाधाओं में से एक हैं, और यह व्यवहार गर्मियों में बढ़ जाता है। मां के दूध में अन्य पौष्टिक तत्वों के साथ-साथ पानी भी पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध होता है और शिशु की पानी की आवश्यकता केवल स्तनपान से पूरी हो जाती है अतः शिशु को 6 माह तक ऊपर से पानी देने की आवश्यकता नहीं होती है गत वर्ष की भाँति इस वर्ष भी गर्मियों

में शिशु में केवल स्तनपान सम्बन्धी व्यवहार सुनिश्चित करने हेतु 01 मई 2023 से 30 जून, 2023 तक समस्त कन्वर्जेन्स विभागों - आई.सी.डी.एस. स्वास्थ्य पंचायतीराज, ग्राम्य विकास, शिक्षा विभाग तथा खाद्य एवं आपूर्ति विभाग तथा डेवलपमेंट पार्टनर्स के सहयोग से पानी नहीं, केवल स्तनपान अभियान।आयोजित किया जा रहा है। अभियान के प्रचार-प्रसार हेतु आज दिनांक 04.05.2023 को बाल विकास परियोजना कर्वी अन्तर्गत

आगनवाड़ी केन्द्र शिवरामपुर में जिसमें अमृतपाल कौर, मुख्य विकास अधिकारी की गरिमामयी उपस्थिति में पानी नहीं, केवल स्तनपान अभियान का शुभारम्भ किया गया। मुख्य विकास अधिकारी महोदया ने अपने सम्बोधन में कहा कि इस अभियान का उद्देश्य महिलाओं को जागरूक करना है कि शिशु की 06 माह की आयु तक शीघ्र व केवल स्तनपान उसके जीवन के रक्षा के लिए अत्यंत आवश्यक है। शिशु के जन्म के एक घण्टे के अन्दर स्तनपान कराया जाये तथा इसमें बढोत्तरी हो सके, उन्होंने जानकारी देते हुए कहा कि माँ का पहला दूध नवजात शिशु के लिए अमृत के समान है' यह शिशु का पहला टीकाकरण है जो विभिन्न प्रकार की बीमारियों से बचाता है साथ ही यह शिशु का पेट साफ करने में मदद करता है भी के दूध में 90 प्रतिशत पानी होता है।

पीसीएफ कृषक सेवा केन्द्र को संचालित करने की किसान कर रहे मांग

अमेठी। स्थानीय विकास खंड के नौगिरवा में पीसीएफ कृषक सेवा केन्द्र को रबी सीजन में बंद कर दिए जाने से आहत किसानों ने, केन्द्र को पुनः संचालित किये जाने की मांग की है किसानों का कहना है कि रबी सीजन में केन्द्र पर खाद के निर्धारित मूल्य से अधिक की उगाही की शिकायतों के बाद प्रशासन द्वारा केन्द्र को यह कहते हुए बंद कर दिया गया कि केन्द का अनुबंध समाप्त हो चुका है जल्द ही टेंडर प्रक्रिया पूर्ण करा कर पुनः पीसीएफ कृषक सेवा केन्द्र संचालित करवा दिया जायेगा किसानों के मुताबिक पूरा रबी सीजन बीत गया लेकिन नौगिरवा पीसीएफ कृषक सेवा केन्द्र से किसानों को कोई राहत नहीं मिल सकी ऐसे में अब जब खरीफ का सीजन बस शुरू होने को है किसान पुनः केन्द्र को संचालित करने की मांग करने लगे हैं।

प्रकृति के गुस्से का शिकार हो रही धरती- डॉ अर्जुन पाण्डेय

अमेठी। नगर स्थित ओम् नगर में अमेठी जलबिरादरी की ओर से 'वैसाख में बर्फ- कारण एवं प्रभाव ' विषय पर आधारित संगोष्ठी का शुभारंभ अतिथियों द्वारा मां सरस्वती जी के चित्र पर माल्यार्पण के साथ हुआ।

अतिथियों का स्वागत करते हुए अध्यक्ष अमेठी जल बिरादरी डॉ अर्जुन पाण्डेय ने कहा कि आज मानव एवं प्रकृति के रिश्ते बिगड़ चुके हैं। प्रकृति के गुस्से का शिकार भूमंडल सहित आज पहाड़ हो चुका है। पहाड़ों पर दिसम्बर जनवरी में पड़ने वाली बर्फ यदि वैसाख माह में होगी तो इसका भयंकर प्रभाव न केवल व्यापक जलवायु परिवर्तन को जन्म देगा साथ ही सेहद, स्वास्थ्य के साथ कृषि एवं सम्पूर्ण जीव-जंतुओं के ऊपर पड़ेगा।

गर्मी, सर्दी एवं बरसात का समय न होना बेहद चिंताजनक है। आवश्यकता इस बात की है प्रकृति पर विजय पाने की लालसा छोड़ कर उससे प्रेम करें। मुख्य अतिथि संतोष कुमार श्रीवास्तव ने अपने उद्बोधन में कहा कि आज की पीढ़ी भोगवादी संस्कृति एवं विकास के नाम पर पहाड़ों की प्रकृति बदलने में लगी है , जिसका दुष्प्रभाव सम्पूर्ण दुनिया में परिलक्षित है। पुरानी पीढ़ी की तरह समझ एवं संवेदना द्वारा जलवायु में हो रहे व्यापक परिवर्तन उबर सकते हैं। विशिष्ट अतिथि कैलाश नाथ शर्मा ने कहा कि प्रकृति से तालमेल बनाने की जरूरत है, इसके लिए जनमानस को जागरूकता के साथ अपने लोभ का संबरण करना होगा। हिमांशु पाण्डेय प्रखर ने कहा कि धरती पर सन्तुलन कायम रहे इसके लिए प्रकृति के साथ छेड़छाड़ कम किया जाए अन्यथा एक न एक दिन प्रकृति आपदाओं के माध्यम से समायोजन जरूर करेगी। संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए पूर्व प्राचार्य सत्येन्द्र प्रकाश शुक्ल ने कहा कि मानव को प्रकृति की प्रकृति को बदलने के बजाय अपनी ही प्रकृति को बदलना होगा। समय रहते सचेत न हुये तो गम्भीर परिणाम भुगतने के लिए तैयार रहें। संगोष्ठी को जल प्रहरी अंजली तिवारी एवं मोनी तिवारी ने भी संबोधित किया।

100% Placement

सीधे प्रवेश

15% Fee Concession

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र

(भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त)

(पहले आओ पहले पाओ)

❖ प्रशिक्षण में उत्तीर्ण होने वाले छात्रों को रोजगार पाने का पूर्ण अवसर

❖ हाइस्कूल में 60% से उपर अंक लाने वाले छात्रों को प्रशिक्षण शुल्क में 15% प्रतिशत की छूट दी जायेगी।

➢ कम्प्युटर आपरेटर (कोपा)	फिटर
➢ डेटा इंट्री आपरेटर	वेल्डर
➢ फायर सेफ्टी	सीसीए
➢ कम्प्युटर टीचर ट्रेनिंग	रेफ्रीजरेटर एवं ए.सी.
➢ इलेक्ट्रीशियन	सिक्योरिटी सर्विस
➢ सीएनसी प्रोग्रामिंग	बेसिक कम्प्युटर
➢ इलेक्ट्रिक मैकेनिक	कम्प्युटर हाडवेयर

Apply Online: www.nainiiti.com | Mail us at – info@nainiiti.com

प्रवेश हेल्पलाइन नं0

8081180306 , 9415608710 , 8103021873

⇨ इण्डियन कॉफी हाउस के सामने तुलसीयानी प्लाजा , तीसरी मंजिल , सिविल लाइन , प्रयागराज।

वादी ही नहीं अवंतिपुर के मंदिरों के खंडहर भी देखें कश्मीर में

कश्मीर वादी सिर्फ अपनी खूबसूरती या डल झील के लिए ही जानी जाती है, ऐसा सोचना गलत है क्योंकि खूबसूरती के अतिरिक्त धरती के स्वर्ग पर सैंकड़ों ऐसी वस्तुएं हैं जो अपना एक अलग ही आकर्षण रखती हैं और जिनको देखने के लिए विश्व भर से लोग आते रहते हैं। इन वस्तुओं में युगों पुराने स्मारक तथा कई अन्य महलों व मंदिरों के खंडहर भी शामिल हैं जिनका आकर्षण आज भी उतना ही है जितना पहले कभी था।

जम्मू कश्मीर की ग्रीष्मकालीन राजधानी श्रीनगर से करीब 29 किमी की दूरी पर जब राष्ट्रीय राजमार्ग पर चलते हैं अनंतनाग जिले की ओर तो अवंतिपुर गांव आता है। पहले कभी अवंतिपुरा के नाम से जाना जाता था यह कस्बा जो आज अवंतिपुर कहलाता है और दरिया जेहलम के किनारे बसा हुआ है। अगर इतिहास के झरोखे में झांकें तो मालूम पड़ता है कि अवंतिपुर की स्थापना महाराजा अवंतिवर्मा ने की थी जिन्होंने सन् 854 से लेकर 883 तक राज किया था कश्मीर पर। अवंतिपुर वैसे भी कश्मीर की प्राचीन राजधानियों में से एक गिनी जाती है लेकिन यह सबसे प्रसिद्ध राजधानी मानी जाती रही है। इस कस्बे के दो मुख्य आकर्षण, जो आज भी माने जाते हैं, बड़े-बड़े मंदिरों के खंडहर हैं जिन्हें कभी इनके संस्थापक ने सुशोभित किया था। अनंतनाग की ओर बढ़ते हुए राष्ट्रीय राजमार्ग पर बाएं हाथ पर जो प्रथम खंडहर दिखते हैं वे शिवा-अवंतिस्वर के मंदिर के खंडहर हैं। इस मंदिर की बड़ी-बड़ी दीवारें अवंतिपुर से तीन मील दूर जुरबरोर गांव के बाहर हैं जो बिना आधार के रखी गई हैं तथा अति महत्वपूर्ण होने के साथ-साथ विशालकाय भी हैं। यह मंदिर जो आज अंग-भंग हो चुका है एक विशाल बरामदे में स्थित था जिसके चारों ओर बड़े-बड़े पत्थरों से दीवार बनाई गई थी और पश्चिमी द्वार की ओर बांसुरी की तरह खम्बे तो थे लेकिन उनमें पीछे की ओर से कोई आला नहीं था। भीतर प्रवेश का रास्ता इसी दीवार के बीच था जिसे एक अन्य दीवार दो भागों में विभक्त करती है। इसकी दीवारों पर किसी प्रकार की कोई कलाकृतियां नहीं उकेरी गई हैं। इसके आले तथा चौखटें पूरी तरह से सादे हैं जिन पर कोई कलाकृति नजर नहीं आती। बरामदे के केंद्र में यह मंदिर स्थित है और जिस चबूतरे पर इस मंदिर की आधारशिला रख कर इसका निर्माण किया गया है वह करीब दस फुट ऊंचा है तथा 58 वर्ग फुट व्यास का है। इस चबूतरे के प्रत्येक कोने में 16 वर्ग फुट के अलग अलग चबूतरे जुड़े हुए हैं जो अपने आप में अलग अलग मंदिर, छोटे-छोटे रूप में, के खंडहर हैं। प्रत्येक तरफ से चबूतरे के ऊपर चढ़ने का रास्ता है और ऊपर चढ़ने के लिए सीढ़ियों का निर्माण किया गया है। ठीक उसी तरह जिस तरह पंडरेथन के मंदिर हैं। यह सीढ़ियां कोई छोटी-मोटी सीढ़ियां नहीं हैं बल्कि प्रत्येक सीढ़ी की चौड़ाई जहां साढ़े अठाईस फुट के करीब है वहीं इनको बाहरी दीवारों से सहारा दिया गया है। हालांकि अब तो यह मात्र खंडहर रह गया है लेकिन पत्थरों को देख कर यह कहना कठिन होता है कि कभी यहां मंदिर रहा होगा। इस मंदिर के जो चबूतरे हैं वे सिर्फ एक ही स्थान पर यही आभास देते हैं कि वे मंदिर की आधारशिला से जुड़े रहे होंगे जबकि अन्य स्थानों पर इन्हें संयुक्त दीवारों से जोड़ा गया है जो मंदिर के ऊपर से गिर पड़ी होंगी तथा कला का उत्कृष्ट नमूना पेश करती हैं जिन्हें देखने वाला ढंग रह जाता है। दक्षिणी-पूर्वी किनारे पर जो आधारशिला है वहां कला के उत्कृष्ट नमूने के भरपूर दर्शन होते हैं तथा यह नमूने उस काल की कला के बारे में भी जानकारी देते हैं। मंदिर के आधार पर जो एकमात्र बाहरी शोभा आज बची हुई है वह मंदिर की कला का नमूना तो है ही साथ ही में बड़े आकार के खम्भे के मस्तक भी हैं जो समकोण होने के साथ-साथ पूरी तरह से सादगी लिए हुए हैं। जबकि एक खम्बा ऊपर भी टंगा है आज भी।

बरामदे के पिछले दो कोनों में कुल चार मंदिर किस्म के स्थान दिखते हैं जिनमे से दो छोटे तथा दो बड़े हैं। बरामदे में इसके अतिरिक्त खंडयुक्त मेहराबों का क्रम भी नजर आता है जो छितराए हुए तो हैं ही साथ ही में कला के उत्कृष्ट नमूने भी माने जाते हैं। और इनमें सबसे बढ़िया कारीगरी के नमूनों में एक तो दक्षिणी सीढ़ी के सामने पड़ा एक खम्बा है मेहराब युक्त तो दूसरा फूलों से कारीगरी किया हुआ एक अन्य खम्बा जबकि इसके साथ ही एक अन्य खम्बा रखा गया जिसके आधार पर दो मेढ़े आमने-सामने बैठे हुए हैं और एक युवती डमरू पर नाच दिखा रही है जो दो शेरों की आकृति वाले सिंहासन पर बैठाया गया है। बीचोंबीच हाथी की आकृति भी उकेरी गई है। हालांकि यह खंडहर आठवीं सदी के हैं लेकिन आज भी यह उतने ही आकर्षित करते हैं आने-जाने वालों को जितना कभी पहले किया करते थे क्योंकि आतंकवाद ने इन पर तो कोई प्रभाव नहीं डाला मगर आने जाने वालों की संख्यां तो कम हुई ही, इनकी देखभाल भी अब नहीं हो पा रही है जिसके कारण किसी-किसी स्थान पर उगी घास-फूस इनका प्रत्यक्ष प्रमाण प्रस्तुत करती है कि आतंकवाद के चलते भू-सर्वेक्षण विभाग इनकी देखभाल कर पाने में अपने आप को सक्षम नहीं पा रहा है।

बढ़ती उम्र से संबंधित बीमारियों को दूर भगाता है मेडिटेशन

कहते हैं कि समय का पहिया किसी के लिए नहीं रूकता। समय के साथ जैसे-जैसे उम्र बढ़ने लगती हैं, मनुष्य को बहुत सी परेशानियों से गुजरना पड़ता है। खासतौर से, वर्तमान युग की जीवनशैली को देखते हुए कम उम्र में ही ढेरों बीमारियां भी मनुष्य के शरीर को अपना घर बना लेती हैं। इन सब परेशानियों से निजात पाने के लिए आपको महंगे व दर्दनाक ट्रीटमेंट करवाने पड़ते हैं। लेकिन यदि आप मेडिटेशन का सहारा लें तो आपको बिना किसी दर्द के अपने सभी मर्ज का इलाज मिल जाएगा। मेडिटेशन आपके सिर्फ तन को ही नहीं, बल्कि मन को चुस्त-दुरूस्त बनाकर आपको हर तरह से फिट बनाता है। इसे कहते हैं हींग लगे न फिटकरी और रंग भी चोखा।

फायदों की खान

मेडिटेशन एक ऐसी दवा की तरह काम करता है, जिसके जरिए बाहरी व भीतरी हर तरह के मर्ज का इलाज किया जा सकता है। इसके फायदों की तो कोई गिनती ही नहीं है। इससे आपकी एकाग्रता बढ़ती है। साथ ही इससे दिमाग भी तेज और एक्टिव होता है। यह आपके एजिंग के साइन्स को कम करके आपको लंबे समय तक जवां बनाता है। इतना ही नहीं, आपकी इम्युनिटी को बढ़ाकर हर प्रकार की बीमारी से लड़ने में मदद करता है। अगर आपको बहुत अधिक गुस्सा आता है तो मेडिटेशन आपके गुस्से पर भी लगाम लगाता है। अगर आप हर रोज मेडिटेशन करते हैं तो आपको नींद भी अच्छी आती है। जिससे आपका पूरा दिन खुशहाल बीतता है।

न तोड़ें रूटीन

अगर आप वास्तव में चाहते हैं कि आपको मेडिटेशन का फायदा मिले तो इसके लिए आपको मेडिटेशन को अपनी दिनचर्या में शामिल करना होगा। आप चाहे कितने भी व्यस्त क्यों न हो, लेकिन खुद के लिए पांच मिनट निकालना तो आपके लिए असंभव नहीं होगा। मेडिटेशन रोजाना करना बेहद आवश्यक है। कभी-कभार करने से कोई फायदा नहीं होने वाला।

यूं करें मेडिटेशन

मेडिटेशन करने के लिए आपको सबसे पहले रिलैक्स होना सीखना होगा। इसके लिए आप आराम से लेट जाएं और आंखें बंद कर लें। फिर गहरी सांस लें। इसके पश्चात् अपने सीधे पैर पर सारा ध्यान ले जाएं। पंजे को आगे और पीछे की ओर खींचें। एक बार खींचने पर दो बार गहरी सांस लें और छोड़ें। इतनी देर तक पंजे को उसी पॉजिशन में रखें। इसके बाद पैर के तनाव को रिलीज कर दें। फिर गहरी सांस लें और उल्टे पैर के साथ भी यही प्रक्रिया दोहराएं। पूरी बॉडी को रिलैक्स करने के लिए आप शरीर के हर भाग मसलन, टखना, घुटना, कोहनी, हथेली आदि के साथ भी यही प्रक्रिया करें। धीरे-धीरे आप पूरी बॉडी को रिलैक्स करना सीख जाएंगे।

किसी भी ड्रेस के साथ कैरी करें ये जूलरी

संजने संवरने का शौक हर लड़की को होता है। लड़कियां स्टाइलिश दिखने के लिए हर नए फैशन को फॉलो करती है। अगर हम ईयररिंग्स की बात करें तो आज कल ईयररिंग्स में

कई नए पैटर्न और डिजाइन आए हैं। सबसे ज्यादा ट्रेंड टेसल्स का चल रहा है। यह काफी ब्राइट कलर्स में आ रहे है। काफी लड़कियां इस ट्रेंड को फॉलो कर रही है। आप इन्हें अपनी ड्रेस के साथ मैच करके पहन सकती है। यह सभी हेयर स्टाइल के साथ अच्छे लगते है। आप चाहें तो थ्रेड टेसल्स पहन सकती है क्योंकि यह लाइट वेट होते हैं। लॉन्ग और ब्रॉड दोनों तरह के टेसल्स मार्किट में मिल जाते है।

ट्राइबल डिजाइंस: अगर आप किसी पार्टी में जा रहे है और सबसे अलग दिखना चाहती है तो अपनी ड्रेस के साथ ट्राइबल डिजाइंस के टेसल्स ट्राई करें। यह सिंपल ड्रेस के साथ भी बहुत अच्छे लगते है। इस टेसल्स में डिजाइंस भी काफी है। **पर्ल और फेदर टेसल्स:** आजकल पर्लस्टड टेसल्स ट्रेंड में है। यह ट्रेडिशनल ड्रेस के साथ भी काफी अच्छे लगते है। इन दिनों ट्राइबल प्रिंटस और ट्राइबल ज्वैलरी ट्रेंड में है। फेदर टेसल्स में पक्षियों के पंखों जैसे रंग-बिरंगे फर लगे होते हैं।

दूध सिर्फ स्वस्थ नहीं रखता, बढ़ाता है सौंदर्य भी

आपने अक्सर सुना होगा कि दूध में बहुत से पोषक तत्व मौजूद होते हैं, इसलिए यह आपके शरीर को मजबूती देने के लिए काफी आवश्यक होता है, लेकिन अगर आप चाहें तो इससे अपना सौंदर्य भी निखार सकते हैं। दूध में मौजूद गुणों के कारण ही बच्चों को दूध से नहलाने की सलाह दी जाती है। शायद आपको पता न हो कि जब आप दूध को पीने के अतिरिक्त उसे अपने शरीर पर बाहरी तौर से इस्तेमाल करते हैं तो भी यह आपके लिए काफी फायदेमंद साबित होता है। पुराने समय में तो शाही स्त्रियां दूध से स्नान किया करती थीं। तो आईए जानते हैं कि आप भी दूध की मदद से अपना सौंदर्य किस प्रकार निखारें-

फेशियल क्लींजर: जब आप पूरे दिन की थकान के बाद घर लौटते हैं तो बेहतर होगा कि आप अपने चेहरे को दूध की मदद से साफ करें। दूध एक बेहतरीन क्लींजर के रूप में काम करता है और आपके चेहरे के रोमछिद्रों में छिपी गंदगी व धूल को भी साफ कर देता है। इसे इस्तेमाल करने के लिए आप एक कॉटन बॉल को दूध में डिबोकर अपने को उस रूई की मदद से साफ करें। **बनाएं फेस पैक:** अगर आपकी स्किन सेंसेटिव है और आप बाजार में मिलने वाले प्रॉडक्टस का इस्तेमाल नहीं कर पातीं तो आप दूध की मदद से भी एक ब्लीच फेस पैक बना सकती हैं। इसके लिए आप दूध में थोड़ा बेसन व नींबू मिलाकर एक पैक तैयार करें और अपने चेहरे पर अप्लाई करें। जब यह सूख जाएं तो हल्के हाथों से गुनगुने पानी की सहायता से चेहरा साफ करें। इस फेस पैक को अगर आप सप्ताह में एक बार इस्तेमाल करेंगी तो जल्द ही आपकी स्किन का कलर साफ होने लगेगा।

बेहतरीन स्क्रब: त्वचा की डेड स्किन को निकालने के लिए और उसे एक्सफोलिएट करने के लिए स्क्रब का इस्तेमाल करना बेहद आवश्यक है। अगर आप घर पर ही एक स्क्रबर बनाना चाहती हैं तो इसके लिए दूध का इस्तेमाल कर सकती हैं। इसके लिए आप बादाम को हल्का क्रश करें और इसमें थोड़ा सा दूध मिलाएं। अब इस स्क्रबर की मदद से आप अपनी त्वचा को स्क्रब करें। आपको अपनी स्किन में एक बेहद बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। इसके अतिरिक्त आप ओटमील व दूध को मिलाकर भी एक स्क्रब तैयार कर सकती हैं। इस स्क्रब को रोजाना इस्तेमाल करें और हर दिन अपनी त्वचा में होते हुए बदलाव देखेंगे।

बन जाएगा टोनर: जब भी आप फेस वॉश करती हैं तो स्किन के ओपन पोर्स को बंद करने के लिए और उसे टोन करने के लिए टोनर की मदद लेते हैं। लेकिन दूध से बेहतर टोनर और कोई हो ही नहीं सकता। यह आपके स्किन के ऑयल को कंट्रोल करने के साथ-साथ उसे हाइडेट भी करता है। इसे टोनर की तरह इस्तेमाल करने के लिए रूई को दूध में डिबोएं और फिर उस रूई की मदद से अपने चेहरे पर हल्की मसाज करें। इसे कुछ देर यूं ही रहने दें। बाद में साफ पानी से चेहरा साफ कर लें।

मुंहासों से छुटकारा: बरसात के दिनों में अक्सर मुंहासों की समस्या उत्पन्न हो जाती है, लेकिन इस समस्या से छुटकारा पाने के लिए आप दूध का प्रयोग भी कर सकती हैं। दूध आपके चेहरे के ऑयल को कंट्रोल करता है, जिससे मुंहासों की समस्या उत्पन्न ही नहीं होती। इस समस्या से निजात पाने के लिए दूध में भीगी हुई कॉटन से चेहरे की मालिश नियमित रूप से करें। **हेयर कंडीशनर:** वैसे दूध सिर्फ आपकी त्वचा के लिए ही नहीं, बल्कि बालों के लिए भी काफी फायदेमंद है। यह आपके बालों को कंडीशन करने के साथ-साथ आपके स्कैल्प को न्यूट्रिशन भी प्रदान करता है, जिससे आपके बाल कम झड़ते हैं। इसे आप अपनी स्कैल्प से लेकर बालों के अंत तक लगाएं और कुछ देर यूं ही लगा रहने दें।

शरीर में ओमेगा-3 फैटी एसिड की कमी होने पर नजर आते हैं ये 4 संकेत

जब भी शरीर के लिए आवश्यक पोषक तत्वों की बात होती है तो लोग प्रोटीन, विटामिन और मिनरल्स की बात करते हैं, लेकिन ओमेगा-3 फैटी एसिड पर किसी का ध्यान नहीं जाता है। जबकि यह आपके शरीर को स्वस्थ बनाए रखने के लिए बेहद आवश्यक है। इससे आपकी स्किन से लेकर मस्तिष्क पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। ओमेगा -3 फैटी एसिड हेल्दी फैट होते हैं, जो आपके स्वास्थ्य का ख्याल रखते हैं। आमतौर पर, फिश को ओमेगा-3 का अच्छा स्त्रोत माना जाता है और शाकाहारियों में अक्सर इसकी कमी देखी जाती है। जब आपके शरीर में इसकी कमी होती है तो ऐसे में आपके शरीर में कुछ संकेत नजर आ सकते हैं- **स्किन, बाल और नाखूनों में बदलाव आना:** अगर आपको अपनी स्किन रूखी नजर आती है और बाल व नाखून कमजोर होकर टूट रहे हैं तो हो सकता है कि आपके शरीर में ओमेगा -3 की कमी हो। इतना ही नहीं, इसके कारण आपको इससे डैंड्रफ की समस्या के साथ-साथ आपकी स्किन पर रैशेज भी हो सकते हैं।

जोड़ों में दर्द होना: मछली के तेल से प्राप्त ओमेगा-3 में एंटी- इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं। जिसके कारण यह स्वाभाविक रूप से जोड़ों में सूजन को कम करता है। इससे आपके जोड़ों में दर्द व पैरों में ऐंठन की समसया दूर होती है। हालांकि, अगर आपको पिछले कुछ समय से जोड़ों में दर्द की शिकायत है तो हो सकता है कि आपके शरीर में ओमेगा-3 की मात्रा कम हो।

हरदम थकान या नींद न आना: अगर आपको पिछले कुछ वक्त से हरदम थकान की शिकायत रहती हैं या फिर आपको ठीक ढंग से नींद नहीं आती है। तो ऐसा ओमेगा-3 की कमी के कारण भी हो सकता है। इसलिए, आप अपनी डाइट में ओमेगा-3 रिच फूड के साथ-साथ सप्लीमेंटस लेने पर भी विचार करें।

एकाग्रता की कमी: जब शरीर में आवश्यक ओमेगा-3 फैटी एसिड का स्तर कम होता है, तो यह फोकस और मेमोरी से जुड़ी समस्याओं को जन्म दे सकता है। इसके कारण व्यक्ति जल्दी चिड़चिड़ा महसूस करता है या फिर उसे जल्दी गुस्सा आने लगता है।

सनबर्न की समस्या और चेहरे की झुर्रियों को दूर करता है अंगूर

अंगूर को यूं तो लोग खाना काफी पसंद करते हैं, लेकिन इसके प्रयोग से सिर्फ स्वास्थ्य को ही लाभ प्राप्त नहीं होते। अंगूर स्किन के लिए भी काफी अच्छा माना जाता है। इतना ही नहीं, अगर इसका प्रयोग सही तरह से किया जाए तो अंगूर की मदद से गर्मी के कारण होने सनबर्न, टैनिंग, झुरि्यां आदि समस्याओं को भी दूर किया जा सकता है। तो चलिए जानते हैं अंगूर को ब्यूटी केयर रूटीन में कैसे करें शामिल- **अगर झुलस जाए त्वचा:** इस समय जिस प्रकार तापमान बढ़ रहा है, उससे त्वचा पर भी प्रभाव पड़ता है। गर्मी के दिनों में घर से बाहर निकलने पर टैनिंग व सनबर्न जैसी समस्याएं देखने को मिलती हैं। इससे निजात पाने के लिए अंगूर को बीच में से काटकर उससे चेहरे पर मसाज करें। इसके अतिरिक्त अंगूर को डाइट का हिस्सा भी बनाएं। अंगूर जहां एक ओर सनबर्न की समस्या को दूर करता है, वहीं स्किन पर एक प्रोटेक्शन लेयर की तरह भी काम करता है।

झुर्रियों से निजात: बढ़ती उम्र का असर स्किन पर दिखाई देता है। जिसके कारण चेहरे पर झुर्रियां, फाइन लाइन्स व दाग-धब्बे नजर आने लगते हैं और स्किन की नेचुरल ब्यूटी कहीं खो जाती है। स्किन की खोई खूबसूरती को वापिस पाने के लिए अंगूर का प्रयोग किया जा सकता है। इसके लिए अंगूर, एवोकाडो पल्प, शहद और गुलाबजल को मिलाकर एक स्मूद पेस्ट तैयार करें। इसके बाद इसे चेहरे पर लगाएं और कुछ देर के लिए छोड दें। अंत में ताजे पानी से स्किन को साफ करें।

निखरेगी रंगत: अंगूर रंगत निखारने में भी बेहद मददगार है। इसके लिए आप अंगूर की मदद से मसाज तो कर ही सकते हैं, साथ ही इसके रस का भी सेवन करें। ऐसा करने से खून साफ होता है और खून की कमी भी दूर होती है। जब शरीर की भीतर से सफाई होती है तो उसका असर बाहरी त्वचा पर ही दिखाई देता है। इसके सेवन से कुछ ही दिनों में चेहरे पर गजब का ग्लो नजर आने लगता है।

बालों की देखभाल: अंगूर सिर्फ स्किन का ही ख्याल नहीं रखता, बल्कि यह बालों के लिए भी बेहद लाभकारी है। इसके लिए आप अंगूर के बीजों से बने तेल में कुछ बूंदे नींबू के रस की डालकर उसका इस्तेमाल बालों में कर सकते हैं। फिर कुछ देर बात ताजे पानी से बाल धो लें और कंडीशनर करें। अगर आप इस उपाय को अपनाते हैं तो बाल मजबूत, चमकदार तो होंगे ही, साथ ही हेयरफॉल व डैंड्रफ जैसी समस्याएं भी दूर होगी।

पास्ता खाने की हैं शौकीन तो जाएं दिल्ली की इन जगहों पर

हम में से ऐसे कई लोग हैं, जिन्हें पास्ता खाना बेहद पसंद होता है। दिल्ली-एनसीआर में ऐसे कई रेस्त्रां मौजूद हैं, जो बेहतरीन पास्ता सर्व करते हैं। वैसे तो इन रेस्त्रां में आपको कई डिशेज खा सकते हैं, लेकिन यहां पर मिलने वाले पास्ता की बात ही कुछ और है। खासतौर से, कई रेस्त्रां में इटैलियन पास्ता मिलते हैं। तो चलिए आज हम आपको कुछ ऐसे ही रेस्त्रां के बारे में बता रहे हैं, जहां पर आपको जाकर एक बार पास्ता का आनंद जरूर उठाना चाहिए- **डिगिन, आनंद लोक:** दक्षिण दिल्ली में गार्गी कॉलेज के सामने डिगिन में आपको बेहतरीन पास्ता मिलेगा। यहां पर हमेशा की यंग क्राउड देखने को मिलता है। अगर आपके पास भी थोड़ा समय है तो आप यहां रूककर बेहतरीन पास्ता का आनंद ले सकते हैं। **बिग चिल कैफे:** पास्ता के लिए यह दिल्ली की बेहतरीन जगहों में से एक है। वैसे तो यहां पर आपको कई तरह के फूड आइटम्स मिलते हैं। खान मार्केट में मौजूद इस बिग चिल कैफे में आप पेरी पेरी पास्ता, चिकन पेने ब्लू चीज़ पास्ता आदि का लुत्फ उठाएं। **बिग येलो डोर:** यहां पर आपको बेहतरीन पास्ता व बर्गर खाने को मिलेंगे। विजय नगर में मौजूद

इस रेस्त्रां में बड़ी संख्या में कॉलेज स्टूडेंट आते हैं, क्योंकि यहां पर नार्थ कैंपस के पास स्थित है। यहां पर परोसे जाने वाले पास्ता में बटर चिकन पास्ता और मिक्स्ड सॉस पास्ता का एक अलग ही स्वाद है। **टोनिनो:** एमजी रोड पर स्थित टोनिनो शहर के सबसे अच्छे पास्ता की पेशकश करती है। यहां पर आपको खाने की एक बड़ी वैरायटी देखने को मिलेगी। आपको यहां पर एक बार जरूर विजिट करना चाहिए। वैसे तो आप यहां पर कई तरह के भोजन का आनंद ले सकते हैं, लेकिन डेनेस्टो स्पेशल पास्ता आपको जरूर टाई करना चाहिए। **कैफे विंक:** श्रद्धा विहार में मौजूद इस कैफे में आपको एक बार जरूर जाना चाहिए। सैंडविच से लेकर पास्ता, शेक से लेकर चिलर तक आपको यहां पर काफी कुछ बेहतरीन खाने को मिलेगा। अगर आप पास्ता प्रेमी हैं तो आपको यहां पर आकर निराशा नहीं होगी। **द ब्लू डोर कैफे:** खान मार्केट में स्थित यह पास्ता प्रेमियों के लिए एक शानदार जगह है। कैफे शहर में सबसे अच्छा और सबसे स्वादिष्ट पास्ता परोसता है। यहां पर आपको पास्ता की कई वैरायटी मिलती हैं और आप अपने टेस्ट के अनुसार इसमें से पास्ता का चयन कर सकते हैं।

बारिश बनी विलेन, लखनऊ और चेन्नई के बीच मुकाबला रद्द, दोनों टीमों को मिले 1-1 अंक

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2023 का 45वां मुकाबला लखनऊ के भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी इकाना क्रिकेट स्टेडियम में खेला गया। हालांकि, लगातार हो रही बारिश की वजह से खेल को पहली पारी के 19.2 ओवर में ही रोकना पड़ा। इस समय लखनऊ सुपरजाइंट्स की बल्लेबाजी चल रही थी। लखनऊ सुपरजाइंट्स ने 7 विकेट पर 125 रन बनाए थे। लगभग 5:20 पर खेल रुका था। उसके बाद से बारिश लगातार जारी रही। खेल को लगभग 6:57 पर रद्द घोषित कर दिया गया। दोनों ही टीमों को एक-एक अंक मिले हैं। पॉइंट्स टेबल पर नजर डालें तो लखनऊ सुपरजाइंट्स के पास 10 मुकाबले में 11 अंक हैं और वह दूसरे नंबर पर है जबकि चेन्नई सुपर किंग्स के पास भी 10 मुकाबले में 11 अंक हासिल हैं और वह तीसरे नंबर पर है।

2011 में यह पहली बार हुआ था जब दिल्ली डेयरडेविल्स और पुणे वॉरियर्स के बीच मुकाबला रद्द हुआ था और दोनों ही टीमों को एक-एक अंक मिले थे। स्टेडियम में महेंद्र सिंह धोनी को लेकर फैंस का जबरदस्त क्रेज देखने को मिला। फैंस लगातार धोनी के समर्थन में नारेबाजी कर रहे थे। चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया था। बल्लेबाजी करने उतरी लखनऊ सुपरजाइंट्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही। पहला विकेट काइल मेयर्स के रूप में 18 रन के स्कोर पर गिरा। उस समय का काइल मेयर्स 14 रन बनाकर खेल रहे थे। केएल राहुल की अनुपस्थिति में मनन वोहरा टीम के लिए ओपनिंग करने आए थे। लेकिन सिर्फ 10 रन बनाकर आउट हुए।

करण शर्मा 9, कप्तानी कर रहे कुणाल पांड्या 0 और मार्कस स्टोइनिस ने सिर्फ 6 रन बनाएं। निकोलस पूरण ने संघर्ष करने की कोशिश की और 31 गेंदों में 20 रनों की पारी खेली। लेकिन युवा आयुष बडोनी ने 35 गेंदों में 59 रनों की पारी खेलकर मैच में रोमांच ला दिया। आयुष बडोनी ने 59 रनों की पारी में 2 चौके और 4 छक्के लगाए। चेन्नई की ओर से मोइन अली को दो सफलता हासिल हुई। उन्होंने 4 ओवर की गेंदबाजी में सिर्फ 13 रन दिए। वहीं महीष तीक्षणा ने 4 ओवर में 7 रन देकर दो सफलताएं हासिल की। रविंद्र जडेजा ने 3 ओवर में 11 रन दिए और 1 विकेट हासिल की जबकि मथीशा पथिराना ने 3.2 ओवर की गेंदबाजी में 2 विकेट हासिल कर 22 रन दिए।

डायमंड लीग : चैम्पियन के तौर पर नीरज चोपड़ा दोहा चरण से सत्र का आगाज करेंगे

दोहा। डायमंड लीग चैंपियन के रूप में पहली बार प्रतिस्पर्धा कर रहे स्टार भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा शुक्रवार को होने वाली प्रतिष्ठित प्रतियोगिता के पहले चरण के मुकाबले के लिए जब मैदान में उतरेंगे तो उनके सामने एक बार फिर अपने चिर-परिचित प्रतिद्वंद्वियों की चुनौती होगी। इस लंबे सत्र का आगाज डायमंड लीग के दोहा चरण से हो रहा है और नीरज इसमें दमदार प्रदर्शन कर सत्र का शानदार आगाज करना चाहेंगे। विश्व चैम्पियनशिप में रजत पदक जीतने वाले इस 25 साल के खिलाड़ी के सामने यहां के कतर स्पोर्ट्स क्लब में ग्रेनाडा के विश्व चैंपियन एंडरसन पीटर्स और चेक गणराज्य के तोक्यो ओलंपिक के रजत पदक विजेता जैकब वडलेजच जैसे खिलाड़ियों की चुनौती होगी।

नीरज का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 89.94 मीटर है जो राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी है। वह 2018 में दोहा डायमंड लीग में अपनी इकलौती भागीदारी में 2018 में 87.43 मीटर के साथ चौथे स्थान पर रहे थे। नीरज पिछले साल 'समग्र फिटनेस और ताकत' की कमी के कारण यहां हिस्सा नहीं ले सके थे। वह पिछले सितंबर में ज्यूरिख में 2022

ग्रैंड फिनाले जीतने के बाद डायमंड लीग चैंपियन बनने वाले पहले भारतीय बने। इससे एक महीने पहले वह लुसाने में डायमंड लीग मीट जीतने वाले पहले भारतीय बने थे। नीरज ने पिछले महीने कहा था कि वह उस समय शारीरिक और तकनीकी रूप से बेहतर महसूस कर रहे हैं लेकिन पिछले साल यहां की बेहद कड़ी प्रतिस्पर्धा को देखते हुए सत्र के शुरुआती डायमंड लीग में शीर्ष पुरस्कार जीतना उनके लिए आसान नहीं होगा। भारत के लिए एथलेटिक्स में पहला स्वर्ण पदक जीतने वाले नीरज का लक्ष्य 90 मीटर की दूरी को छूना है। वह सत्र की पहली प्रतियोगिता में ऐसा करने में सफल होते है या नहीं यह देखना होगा। दोहा मीट में 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में त्रिकूद चैंपियन एल्डहोज पॉल भी चुनौती पेश करेंगे। इस स्पर्धा में तोक्यो ओलंपिक चैंपियन पेड्रो पिचार्डो, क्यूबा के डायमंड लीग विजेता एंडी डियाज हर्नांडेज और दो बार के ओलंपिक स्वर्ण विजेता (2012 और 2016) और पांच बार के विश्व चैंपियन अमेरिका के क्रिश्चियन टेलर भाग ले रहे है। पॉल का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 16.99 मीटर है, ऐसे में उनके लिए शीर्ष तीन में जगह बनाना काफी मुश्किल भरा होगा। उन्होंने राष्ट्रमंडल खेलों (बर्मिंघम) में हालांकि हवा की मदद से 17.03 मीटर की दूरी के साथ स्वर्ण पदक जीता था।

पीटी उषा ने प्रदर्शनकारी पहलवानों से मुलाकात कर समर्थन का आश्वासन दिया

नई दिल्ली।भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करने वाले पहलवानों के प्रति असंवेदनशील होने के आरोपों का सामना कर रही भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा ने बुधवार को जंतर-मंतर पर उनसे मुलाकात की और उन्हें समर्थन का आश्वासन दिया। पूर्व फर्राटा धाविका उषा ने इससे पहले अपने मुद्दों के लिए आईओए से संपर्क करने के बजाय फिर से विरोध शुरू करने के लिए पहलवानों

की कड़ी आलोचना की थी। उन्होंने कहा था कि पहलवानों को अनुशासन दिखाना चाहिए था। इस टिप्पणी के बाद उनकी और आईओए की आलोचना हुई थी। उषा मीडिया से बात किए बिना चली गईं लेकिन बजरंग पूनिया ने कहा कि उन्होंने मदद का आश्वासन दिया है। बजरंग ने मीडिया से कहा, ''शुरू में जब उन्होंने ऐसा कहा तो हमें बहुत बुरा लगा लेकिन फिर उन्होंने कहा कि उनकी टिप्पणियों का गलत मतलब निकाला गया। उन्होंने कहा कि वह पहले एथलीट हैं और बाद में प्रशासक हैं।'' तोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाले इस पहलवान ने कहा, '' हमने उससे कहा कि हमें न्याय चाहिए। हमारा सरकार या विपक्ष या किसी और से कोई झगड़ा नहीं है। हम यहां कुश्ती की बेहतरी के लिए बैठे हैं। अगर यह मसला सुलझ जाता है और आरोप (डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ) साबित हो जाते हैं तो कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए।'' बजरंग से जब पूछा गया कि क्या उषा सरकार या आईओए की ओर से समाधान लेकर आई थी तो उन्होंने कहा, ''ऐसा कुछ नहीं था। उन्होंने केवल इतना कहा कि वह हमारे साथ है।''साक्षी ने कहा, '' उन्होंने (उषा) कहा कि हमें स्टेडियम की जगह सड़कों पर देखकर उन्हें दुख हो रहा है। उसने कहा कि वह हमारे दर्द को समझती है और चाहती है कि हम देश के लिए और पदक जीतें।'' उन्होंने कहा, '' अगर कोई यहां आया है और कहता है कि वह हमारा समर्थन करती है, तो हमें बस इतना ही चाहिए।'' विनेश ने कहा कि उन्होंने उषा से यह नहीं पूछा कि आईओए अपनी जांच कब पूरी करेगी, लेकिन कुछ सुझाव दिये है।उन्होंने कहा, '' मैंने उससे कहा, अब कुश्ती (प्रशासन) उनके अधीन है, उन्हें सब कुछ अपने नियंत्रण में लेना चाहिए और प्रतियोगिताओं का आयोजन शुरू करना चाहिए। मैंने उसे यह भी कहा कि वह एक राज्यसभा सांसद है ... अगर वह इस मुद्दे को संसद में उठा सकती है, तो वह काफी होगा।'' बजरंग ने कहा, '' हम उनका सम्मान करते है। वह महान एथलीट रही है। देर आये दुरुस्त आये।'' इस पहलवान ने हालांकि फिर से दोहराया कि अगर उन्हें न्याय नहीं मिला तो विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा।

ईशान-सूर्या की बदौलत मुंबई की शानदार जीत, पंजाब को 6 विकेट से हराया

मुम्बई (एजेसी)। आईपीएल 2023 के 46वें मुकाबले में मुंबई इंडियंस ने दमदार जीत हासिल की है। 215 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी मुंबई की टीम ने इसे 18.5 ओवर में 4 विकेट खोकर हासिल कर लिया। हालांकि, मुंबई की शुरुआत बेहद ही खराब रही और पहला विकेट कप्तान रोहित शर्मा के रूप में शून्य पर गिर गया था। लेकिन दूसरे छोर पर ईशान किशन अच्छी पारी खेलते रहे। कैमरन ग्रीन ने 23 रन बनाए। मुंबई का दूसरा विकेट 54 रन के स्कोर पर गिरा था। इसके बाद ईशान किशन और सूर्य कुमार यादव के बीच शानदार साझेदारी हुई और यहीं से मैच मुंबई के पक्ष में पूरी तरीके से घूम गया था। सूर्यकुमार यादव ने 31 गेंदों में 66 रनों की पारी खेली जिसमें 8 चौके और 2 छक्के शामिल थे जबकि ईशान किशन ने 41 गेंदों में 7 चौके और 4 छक्के की बदौलत 75 रन बनाए। इन दोनों के आउट होने के बाद एक बार फिर से मुंबई के लिए संकट की स्थिति दिखने लगी थी। लेकिन टीम डेविड और तिलक वर्मा ने शानदार काम करते हुए मुंबई को जीत दिला दिया। टीम डेविड ने 19 रन बनाए जबकि तिलक वर्मा ने

10 गेंदों में 26 रन की पारी खेली जिसमें 3 छक्के शामिल थे। पंजाब की ओर से अर्शदीप सिंह ने 3.5 ओवर में 66 रन दे दिए। नाथन एलिस ने 4 ओवर में 34 रन देकर दो सफलता हासिल की। इस जीत के साथ ही मुंबई इंडियंस के बीच 10 अंक हो गए हैं। इससे पहले नये खिलाड़ी जितेश शर्मा ने लियाम लिविंगस्टोन का बखूबी साथ निभाया और दोनों ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ आईपीएल के मैच में बुधवार को पंजाब किंग्स को तीन विकेट पर 214 रन तक पहुंचाया। लिविंगस्टोन ने सत्र का पहला अर्धशतक 32 गेंदों में पूरा किया और 42 गेंद में सात चौकों और चार छक्कों की मदद से 82 रन बनाकर नाबाद रहे। मुंबई के कप्तान रोहित शर्मा ने मुंबई के लिये अपने 200वें मैच में टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला लिया। पंजाब के विकेटकीपर शर्मा ने 27 गेंद में नाबाद 49 रन बनाये। दोनों ने चौथे विकेट की अटूट साझेदारी में सिर्फ 56 गेंद में 119 रन जोड़े। लिविंगस्टोन ने इंग्लैंड के अपने साथी खिलाड़ी जोफ्रा आर्चर को 19वें ओवर में लगातार तीन छक्के जड़े। शर्मा ने स्पिनर पीयूष चावला या तेज गेंदबाज आर्चर किसी को नहीं बख्शा। उन्होंने अपनी पारी में पांच चौके और दो छक्के लगाये। आर्चर ने अपने चार ओवर में 56 रन दे डाले और उन्हें कोई विकेट नहीं मिला। मुंबई ने आखिरी 48 गेंदों में 115 रन दिये और लगातार चौथी बार किसी टीम ने उनके खिलाफ 200 से अधिक रन बनाये हैं। एक समय पर पंजाब का स्कोर 12 ओवर में तीन विकेट पर 99 रन था। दोनों ने 13वें ओवर में आर्चर की जमकर धुनाई करके 21 रन निकाले। चोट से उबरकर लौटे आर्चर बिल्कुल लय में नहीं थे। इसके बाद शर्मा ने भी उन्हें चौका लाया। चावला ने शिखर धवन (30) और मैथ्यू शॉर्ट (27) के विकेट चटकाये थे। धवन को 23 के स्कोर पर जीवनदान मिला लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा पाये। अगली गेंद पर फिर ऊंचा शॉट खेलने के प्रयास में वह विकेट गंवा बैठे।

लिविंगस्टोन, शर्मा की पारियों से पुंज के तीन विकेट पर 214 रन

नई दिल्ली (एजेंसी)। नये खिलाड़ी जितेश शर्मा ने लियाम लिविंगस्टोन का बखूबी साथ निभाया और दोनों ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ आईपीएल के मैच में बुधवार को पंजाब किंग्स को तीन विकेट पर 214 रन तक पहुंचाया। लिविंगस्टोन ने सत्र का पहला अर्धशतक 32 गेंदों में पूरा किया और 42 गेंद में सात चौकों और चार छक्कों की मदद से 82 रन बनाकर नाबाद रहे। मुंबई के कप्तान रोहित शर्मा ने मुंबई के लिये अपने 200वें मैच में टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला लिया। पंजाब के विकेटकीपर शर्मा ने 27 गेंद में नाबाद 49 रन बनाये। दोनों ने चौथे विकेट की अटूट साझेदारी में सिर्फ 56 गेंद में 119 रन जोड़े। लिविंगस्टोन

ने इंग्लैंड के अपने साथी खिलाड़ी जोफ्रा आर्चर को 19वें ओवर में लगातार तीन छक्के जड़े। शर्मा ने स्पिनर पीयूष चावला या तेज गेंदबाज आर्चर किसी को नहीं बख्शा। उन्होंने अपनी पारी में पांच चौके और दो छक्के लगाये। आर्चर ने अपने चार ओवर में 56 रन दे डाले और उन्हें कोई विकेट नहीं मिला। मुंबई ने आखिरी 48 गेंदों में 115 रन दिये और लगातार चौथी बार किसी टीम ने उनके खिलाफ 200 से अधिक रन बनाये हैं। एक समय पर पंजाब का स्कोर 12 ओवर में तीन विकेट पर 99 रन था। दोनों ने 13वें ओवर में आर्चर की जमकर धुनाई करके 21 रन निकाले। चोट से उबरकर लौटे आर्चर बिल्कुल लय में नहीं थे। इसके बाद शर्मा ने भी उन्हें चौका लाया। चावला ने शिखर धवन (30) और मैथ्यू शॉर्ट (27) के विकेट चटकाये थे। धवन को 23 के स्कोर पर जीवनदान मिला लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा पाये। अगली गेंद पर फिर ऊंचा शॉट खेलने के प्रयास में वह विकेट गंवा बैठे।

जीत के बाद रोहित शर्मा ने कहा-बेखौफ बल्लेबाजी की रणनीति लेकर ही इस सत्र में उतरे थे

मोहाली। पंजाब किंग्स को आईपीएल के मैच में छह विकेट से हराने के बाद मुंबई इंडियंस के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा कि उनकी टीम इस सत्र में बेखौफ बल्लेबाजी की रणनीति लेकर उतरी थी और इसका परिणाम भी देखने को मिल रहा है। पंजाब के तीन विकेट पर 214 रन के जवाब में मुंबई ने लक्ष्य सात गेंद बाकी रहते हासिल कर लिया। रोहित ने कहा ,'' जब हमने टी20 क्रिकेट खेलना शुरू किया तो 140 . 150 जिताने वाला स्कोर होता था लेकिन अब देखिये। इसके अलावा एक अतिरिक्त बल्लेबाज से काफी फर्क पड़ा है। मैने देखा कि इस आईपीएल में औसत स्कोर 180 है।''

उन्होंने कहा ,'' सूर्य और किशन ने बेहतरीन बल्लेबाजी की और टिम तथा तिलक ने फिनिशर की भूमिका निभाई। हमने सत्र से पहले ही तय किया था कि निर्भीक होकर खेलेंगे। नतीजे की चिंता नहीं करेंगे क्योंकि ऐसा करने पर रणनीति पर अमल नहीं कर सकेंगे।'' उन्होंने 41 गेंद में 75 रन बनाने वाले ईशान किशन की तारीफ करते हुए कहा ,'' वह कद में छोटा है लेकिन उसमें काफी ताकत है। उसने आज जो शॉट खेले, वह उनका रोज अभ्यास करता है।'' मुंबई के खिलाफ लगातार चौथी बार 200 से अधिक का स्कोर बना है और रोहित ने स्वीकार किया कि इस पर काम करना होगा। उन्होंने कहा ,' हमें बीच के ओवरों में रनगति पर अंकुश लगाना होगा। हमने तीन चार मैचों में 200 से ज्यादा रन दे डाले और अब इस पर गंभीरता से विचार करना होगा।

केकेआर ने लिटन दास की जगह जॉनसन चार्ल्स को टीम में लिया

नयी दिल्ली। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के बाकी बचे सत्र के लिए विकेटकीपर बल्लेबाज लिटन दास की जगह जॉनसन चार्ल्स को अपनी टीम में शामिल किया है। लिटन दास पिछले सप्ताह पारिवारिक कारणों से बांग्लादेश लौट गए थे। इस 28 वर्षीय खिलाड़ी को केकेआर ने पिछले साल उनके आधार मूल्य 50 लाख रुपए में खरीदा था। केकेआर ने उन्हें केवल एक मैच में अंतिम एकादश में रखा और उसके बाद बाहर कर दिया था। जॉनसन चार्ल्स वेस्टइंडीज के विकेटकीपर बल्लेबाज हैं। उन्होंने अब तक 41 टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैचों में 971 रन बनाए हैं। उन्होंने कुल 224 टी20 मैच खेले हैं जिनमें उनके नाम पर 5600 से अधिक रन दर्ज हैं। वह 50 लाख रुपए के आधार मूल्य में केकेआर से जुड़ेंगे।

एर्लिंग हॉलैंड ने बनाया प्रीमियर लीग में नया रिकॉर्ड, चोटी पर पहुंचा मैनचेस्टर सिटी

मैनचेस्टर। एरलिंग हालैंड ने मैनचेस्टर सिटी की वेस्ट हैम पर 3-0 से जीत में इस सत्र का अपना 35 वां गोल दागकर इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) में नया रिकॉर्ड बनाया। नार्वे के इस 22 वर्षीय स्ट्राइकर ने 70वें मिनट में टीम की तरफ से दूसरा गोल करके प्रीमियर लीग के एक सत्र में सर्वाधिक गोल करने का रिकॉर्ड अपने नाम किया। हालैंड ने पिछले रविवार को फुलहम के खिलाफ गोल करके एलन शियरर और एंडी कोल के रिकॉर्ड की बराबरी की थी। उन्होंने रिकॉर्ड बनाने के बाद कहा,'' यह बहुत अच्छा अहसास है, जैसा कि प्रत्येक गोल करने पर होता है।

विशेषकर जीत दर्ज करना वास्तव में महत्वपूर्ण है।'' हालैंड इस सत्र में अभी तक सभी प्रतियोगिताओं में कुल 51 गोल कर चुके हैं। एलन शियरर और एंडी कोल ने तब रिकॉर्ड बनाए थे जबकि प्रीमियर लीग का सत्र 42 मैचों का होता था। अब प्रीमियर लीग का सत्र 38 मैचों का होता है और हालैंड को अभी पांच और मैच खेलने हैं। मैनचेस्टर सिटी इस जीत से आर्सेनल को पीछे छोड़कर अंक तालिका में फिर से शीर्ष पर पहुंच गया है। उसके अब 33 मैचों में 79 अंक हो गए हैं जबकि आर्सेनल के 34 मैचों में 78 अंक हैं। एक अन्य मैच में लिवरपूल ने फुलहम को 1-0 से हराया।

शीर्ष स्थान पर दावा मतजूत करने के लिए भिड़ेगी राजस्थान और गुजरात की टीमें

नई दिल्ली (एजेंसी)। (नौवें पैरा में नेट रनरेट में सुधार के साथ) जयपुर, चार मई इंडियन प्रीमियर लीग की तालिका में शीर्ष पर काबिज गुजरात टाइटंस की टीम शुक्रवार को अपने अगले मुकाबले में जब राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ उनके घरेलू मैदान में उतरेगी तो उसे अपने शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होगी। हार्दिक पंड्या की अगुआई वाली यह टीम कम स्कोर वाले अपने पिछले मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स से पांच रन से हार गयी थी। टीम 12 अंकों के साथ तालिका में शीर्ष स्थान पर है जबकि राजस्थान 10 अंक के साथ चौथे स्थान पर काबिज है।

संजू सैमसन की अगुवाई वाले राजस्थान रॉयल्स में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है लेकिन टीम लगातार जीत दर्ज करने में विफल रही है। पिछले छह मैचों में टीम तीन मुकाबलों में जीती है जबकि तीन में उसे हार का सामना करना पड़ा है। राजस्थान रॉयल्स के साथ समस्या गेंदबाजी में अधिक है। टीम पिछले मैच में मुंबई के खिलाफ 212 रन के बड़े लक्ष्य का बचाव करने में नाकाम रही थी। तेज गेंदबाज

ट्रेंट बोल्ट, ऑलराउंडर जेसन होल्डर, स्पिनर युजवेंद्र चहल और कुलदीप सेन ने उस मैच में खूब रन लुटाए थे। उन्हें शुक्रवार को घरेलू मैदान में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होगी।

रॉयल्स को इस बात से थोड़ी राहत मिल सकती है कि सत्र की शुरुआत में उन्होंने गुजरात टाइटंस के खिलाफ जीत हासिल की थी। राजस्थान की बल्लेबाजी काफी मजबूत है। पिछले मैच में शतकीय पारी खेलने वाले युवा यशस्वी जायसवाल के अलावा जोस बटलर, संजू सैमसन और शिमरोन हेटमेयर की तिकड़ी अपने दम पर किसी भी मैच का पासा पलट सकती है। इस बल्लेबाजी इकाई को हालांकि मोहम्मद शमी और राशिद खान के नेतृत्व वाले गेंदबाजी आक्रमण के खिलाफ सतर्क रहना होगा। राजस्थान की टीम अगर इस मैच को जीतती है तो टीम बेहतर नेट रनरेट (₹0.800) के कारण तालिका में शीर्ष पर पहुंच जायेगी।

दूसरी ओर टाइटंस के बल्लेबाजों को दिल्ली के खिलाफ लचर प्रदर्शन को पीछे छोड़ना होगा। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ शानदार लय में चल रहे शुभमन गिल और डेविड मिलर के विफल होने से टीम 130 रन के लक्ष्य का पीछा करने में नाकाम रही। कप्तान पंड्या ने अर्धशतक लगाकर टीम को आखिर तक मैच में बनाये रखा लेकिन उनकी और राहुल तेवतिया की तेज तर्रार पारी टीम के लिए काफी साबित नहीं हुई थी। टीम की गेंदबाजी हालांकि काफी मजबूत है जहां मोहम्मद शमी शानदार लय में है। स्पिन विभाग में राशिद और अफगानिस्तान के एक अन्य खिलाड़ी नूर अहमद शानदार प्रदर्शन कर रहे है।

टीमें :: राजस्थान रॉयल्स: संजू सैमसन (कप्तान और विकेटकीपर), अब्दुल बसिथ, मुरुगन अश्विन, रविचंद्रन अश्विन, केएम आसिफ, ट्रेंट बोल्ट, जोस बटलर, केसी करियप्पा, युजवेंद्र चहल, डोनोवन फरेरा, शिमरोन हेटमेयर, जेसन होल्डर, यशस्वी जायसवाल, ध्रुव जुरेल, ओबेड मैककॉय , देवदत्त पडिक्कल, रियान पराग, कुणाल सिंह राठौर, जो रूट, नवदीप सैनी, संदीप शर्मा, कुलदीप सेन, आकाश वशिष्ठ, कुलदीप यादव, एडम जम्पा। गुजरात टाइटन्स: हार्दिक पंड्या (कप्तान), शुभमन गिल, डेविड मिलर, अभिनव मनोहर, साईं सुदर्शन, रिद्धिमान साहा, मैथ्यू वेड, राशिद खान, राहुल तेवतिया, विजय शंकर, मोहम्मद शमी, अल्जारी जोसेफ, यश दयाल, प्रदीप सांगवान, दर्शन नलकंडे , जयंत यादव, आर. साई किशोर, नूर अहमद, दासुन शनाका, ओडियन स्मिथ, केएस भरत, शिवम मावी, उर्विल पटेल, जोशुआ लिटिल और मोहित शर्मा। मैच का समय : शाम 7.30 से।

बजरंग ने प्रदर्शन स्थल के समीप चार सितारा होटल में सुविधायें लेने पर किया बचाव

नई दिल्ली। बजरंग पूनिया ने जंतर मंतर के निकट एक महंगे होटल में सुविधाओं के इस्तेमाल पर अपना बचाव करते हुए कहा कि प्रदर्शन में शामिल महिलाओं को मूलभूत जरूरतें पूरी करने के लिये निजता की जरूरत है। बजरंग और उनकी पत्नी संगीता फोगाट की होटल के रेस्त्रां में खाना खाते हुए तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो गई हैं। बजरंग ने कहा ,'' यह भी फैलाया जा रहा है कि कोई जंतर मंतर पर नहीं रह रहा लेकिन यहां मीडिया के काफी लोग रात में भी होते हैं। हमारे साथ महिलायें हैं और उन्हें कपड़े बदलने , नहाने के लिये निजता की जरूरत है। वे सड़क पर तो नहीं कर सकते।''

उन्होंने कहा ,'' उन्हें वॉशरूम भी चाहिये। जंतर मंतर पर जो वॉशरूम है, उसमें पानी नहीं आता। यही वजह है कि हमने कमरे लिये हैं। धरने पर बैठने का यह मतलब नहीं है कि हम सड़क पर नहायेंगे।'' साक्षी ने कहा कि दिल्ली पुलिस गलत सूचना दे रही है कि पहलवान प्रदर्शन स्थल से चले गए हैं। उन्होंने कहा ,'' कुछ लोग कह रहे हैं कि हम रात में यहां नहीं रूकते। लेकिन कोई भी आकर देख सकता है। मीडिया हमेशा यहां है।'' विनेश ने कहा ,'' सुबह एक एनजीओ के कुछ बच्चे हमसे मिलने आये थे लेकिन पुलिस ने कहा कि हम यहां नहीं रहते और दोपहर में आकर रात में चले जाते हैं। फिर किसी ने उन्हें बताया कि पुलिस झूठ बोल रही है।

सम्पादकीय

कैसे पकड़ा गया अमृतपाल सिंह? जरा सी चूक से खड़ी हो जाती बड़ी मुसीबत

खालिस्तान समर्थक भगोड़े कट्टरपंथी और 'वारिस पंजाब दे' के प्रमुख अमृतपाल सिंह एक महीने से ज्यादा समय तक पुलिस से छुपते फिरने के बाद आखिर रविवार सुबह मोगा के रोडे गांव में गिरफ्तार कर लिया गया। इसे खालिस्तान समर्थक तत्वों की कुटिल मंशा का ही उदाहरण कहेंगे कि अमृतपाल की गिरफ्तारी को भी ऐसा रूप देने की कोशिश की गई, जैसे उसने आत्मसमर्पण किया हो। लेकिन पुलिस की तरफ से यह स्पष्ट कर दिया गया कि उसकी बाकायदा गिरफ्तारी हुई है। पुलिस टीम गिरफ्तारी के लिए गुरुद्वारे के अंदर नहीं गई, लेकिन बाहर उसने ऐसी कड़ी घेरेबंदी कर रखी थी कि अमृतपाल का बचकर निकलना मुश्किल था। गुरुद्वारे से निकलते ही पुलिस टीम ने उसे गिरफ्त में ले लिया। इस पूरे मामले में पंजाब पुलिस ने जितनी परिपक्वता और कुशलता दिखाई है, उसकी तारीफ की जानी चाहिए। 23 फरवरी को जिस तरह अमृतपाल ने समर्थकों की भीड़ के साथ गुरुग्रंथ साहब का इस्तेमाल करते हुए अजनाला पुलिस स्टेशन पर धावा बोला और अपने करीबियों की रिहाई सुनिश्चित कराई, वह इस बात का सबूत था कि उसके हैंडलर्स उसके जरिए खुलकर खेलने के मूड में आ गए थे। उनके मुताबिक सभी जरूरी तैयारियां पूरी हो चुकी थीं और उन्हें लगता था कि अब उनके इशारे पर अमृतपाल और उसके लोग पुलिस प्रशासन को सीधी चुनौती दे सकते हैं। यह बड़ी खतरनाक स्थिति थी। जरा सी असावधानी पंजाब को मुसीबतों के नए भंवर में डाल सकती थी। इसलिए जल्दबाजी में कदम उठाने के बजाय पुलिस ने वक्त लेकर सारी योजना तैयार की और फिर पूरी तैयारी के साथ 18 मार्च को अमृतपाल के खिलाफ कार्रवाई की। हालांकि वहां से अमृतपाल निकल भागा, लेकिन फिर भी पुलिस टीम ने न तो अतिरिक्त बल प्रयोग किया और न ही राज्य का माहौल बिगड़ने दिया। धीरे-धीरे अमृतपाल के करीबियों को गिरफ्त में लेते रहे और उसके चारों ओर शिकंजा कसते रहे। कुछ समय में उसके सारे विकल्प खत्म हो गए। इस दौरान न केवल केंद्रीय एजेंसियों ने हर कदम पर पंजाब पुलिस के साथ सहयोग किया बल्कि राज्य और केंद्र सरकारों के बीच भी जबरदस्त तालमेल नजर आया। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने एक दिन पहले ही पंजाब पुलिस की तारीफ करके संकेत दे दिया कि राजनीतिक भेद-मतभेद चाहे जितने भी हों, लेकिन जब बात राष्ट्रीय चुनौतियों से निपटने की हो, तो उनसे ऊपर उठना हम जानते हैं। इस दौरान अकाल तख्त ने जिस बारीकी से धर्म और उसके दुरुपयोग के बीच फर्क को रेखांकित करते हुए खुद को अमृतपाल की करतूतों से अलग किया, वह न केवल सराहनीय है बल्कि आगे के लिए भी मिसाल पेश करता है। सही समय पर दिखाई गई यही सावधानी, गंभीरता और जिम्मेदारी की भावना किसी राष्ट्र की असली ताकत होती है।

राष्ट्रबोध कराता है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मासिक कार्यक्रम मन की बात

किसी भी राष्ट्र की उन्नति के लिए आवश्यक है कि उसके प्रधानमंत्री की बात जनता तक पहुंचे तथा जनता की बात प्रधानमंत्री तक पहुंचे। इससे दोनों के मध्य तालमेल बना रहता है। इससे जनता को पता चलता है कि उनका प्रधानमंत्री उनके लिए क्या सोचता है तथा उनके लिए क्या कार्य कर रहा है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री को ज्ञात होता है कि जनता को उससे क्या अपेक्षाएं हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विचारों के धनी हैं। उनकी वाक्पटुता अद्भुत है। उनके भाषणों में उनके इस सदगुण को देखा जा सकता है। वह 'मन की बात' नामक रेडियों कार्यक्रम के माध्यम से विभिन्न विषयों पर जनता से बात करते हैं। महीने के अंतिम रविवार को इस कार्यक्रम का प्रसारण किया जाता है।

उल्लेखनीय है कि मई 2014 में प्रधानमंत्री बनने के बाद श्री नरेंद्र मोदी ने जनता से सीधा संपर्क करने के लिए आकाशवाणी पर 'मन की बात' कार्यक्रम प्रारम्भ किया था। प्रथम बार अक्टूबर 2014 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 'मन की बात' कार्यक्रम के माध्यम से जनता को संबोधित किया गया। 30 अप्रैल को 100वां एपिसोड का महत्वपूर्ण पड़ाव है। इस कार्यक्रम में वह सरकार की उपलब्धियों की जानकारी देते हैं तथा इसके अतिरिक्त जनकल्याण के लिए कार्य कर रहे लोगों के बारे में भी विस्तृत जानकारी उपलब्ध करवाते हैं। इस कार्यक्रम की एक बड़ी विशेषता यह भी है कि प्रधानमंत्री द्वारा 'मन की बात' के विषय के लिए जनता से आग्रह किया जाता है कि वे विषय भेजें तथा उन विषयों में से प्रधानमंत्री द्वारा कोई एक विषय का चयन किया जाता है। तत्पश्चात उस विषय पर प्रधानमंत्री द्वारा जनता को संबोधित किया जाता है। लोग अपने सुझाव सोशल मीडिया के माध्यम से प्रधानमंत्री तक पहुंचाते हैं। यह कार्यक्रम दूरदर्शन एवं आकाशवाणी द्वारा सीधा प्रसारित किया जाता है। यह यूट्यूब पर भी देखा जा सकता है। यह कार्यक्रम लगभग 20 मिनट का होता है। देश के अधिकांश लोगों के पास रेडियो है। आकाशवाणी पर इस कार्यक्रम का प्रसारण होने के कारण अधिक से अधिक लोग इसे सुन पाते हैं। इसके अतिरिक्त दूरदर्शन की पहुंच भी अधिकांश जनसंख्या तक है।

संचार क्रांति के इस युग में संचार माध्यमों का उपयोग करते हुए संचार माध्यमों के द्वारा मोदी जी प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंचने का प्रयास कर रहे हैं। सर्व सुलभ रेडियो आज अपनी सार्थकता सिद्ध करने में सफल है। इसके द्वारा कहीं भी किसी भी रूप में भारत का आम आदमी दूरवर्ती पर्वत, मैदान, खेत-खलिहान, ट्रक चालक, बस चालक, खेतों में काम करने वाले किसान, मजदूर या दफ्तर में काम करने वाले कर्मचारी, अधिकारी सभी के लिए रेडियो उपयोगी है। रेडियो बिना तार के सर्व सुलभ है। इस माध्यम से मोदी जी भारत के मन की बात करते हैं, भारत के जीवन की बात करते हैं, समाज एवं जीवन की बात करते हैं, भारतीय ज्ञान परंपरा की बात करते हैं, भारतीय संस्कृति की बात करते हैं। भारतबोध का यह मंत्र तथा भारतबोध का दर्शन प्रधानमंत्री द्वारा मन की बात में मोदी मंत्र के रूप में जनता को प्राप्त हो रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अनेक विषयों पर अपने मन की बात जनता से साझा की है। इन विषयों में भारत की जी-20 अध्यक्षता, अंतरिक्ष में निरंतर प्रगति, वाद्य यंत्रों के निर्यात में वृद्धि, संस्कृति, शिक्षा, स्वास्थ्य, ड्रोन उद्योग, कौशल विकास, स्वच्छ भारत अभियान, कृषि एवं किसानों से संबंधित समस्याएं, विज्ञान से

संबंधित मिशन, दिव्यांग बच्चों के लिए छात्रवृत्ति, विद्यार्थियों को परीक्षा के समय होने वाले तनाव तथा परीक्षा में सफल होने वाले बच्चों को बधाई, युवाओं से मद पदार्थों से दूर रहने का आग्रह, योग के लाभ, कन्या भ्रूण हत्या, लड़कियों के समग्र विकास पर चर्चा, सैनिकों की सराहना, जन धन योजना एवं सरकार की अन्य विकास योजनाओं की सफलता, खिलाड़ियों की प्रशंसा एवं बधाई, प्राकृतिक आपदा आदि सम्मिलित हैं।

देश एवं समाज के हित के लिए उत्कृष्ट कार्य कर रहे लोगों पर भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दृष्टि है। वह उन्हें बधाई देते हुए प्रोत्साहित करते हैं तथा मन की बात में उनका उल्लेख करके युवाओं को प्रेरित करते हैं। उल्लेखनीय है कि नवम्बर 2022 में प्रसारित 'मन की बात' में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि 'कोई अगर विद्या का दान कर रहा है, तो वह समाज हित में सबसे बड़ा काम कर रहा है। शिक्षा के क्षेत्र में जलाया गया एक छोटा सा दीपक भी पूरे समाज को रोशन कर सकता है। मुझे यह देखकर बहुत खुशी होती है कि आज देशभर में ऐसे कई प्रयास किए जा रहे हैं। यूपी की राजधानी लखनऊ से 70-80 किलोमीटर दूर हरदोई का एक गांव है बांसा। मुझे इस गांव के जतिन ललित सिंह जी के बारे में जानकारी मिली है, जो शिक्षा की अलख जगाने में जुटे हैं। जतिन जी ने दो साल पहले यहां सामुदायिक पुस्तकालय एवं संसाधन केंद्र शुरू किया था। उनके इस केंद्र में हिंदी और अंग्रेजी साहित्य, कंप्यूटर, लॉ और कई सरकारी परीक्षाओं की तैयारियों से जुड़ी तीन हजार से अधिक किताबें मौजूद हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि 'झारखंड के संजय कश्यप जी भी गरीब बच्चों के सपनों को नई उड़ाने दे रहे हैं। अपने विद्यार्थी जीवन में संजय जी को अच्छी पुस्तकों की कमी का सामना करना पड़ा था। ऐसे में उन्होंने ठान लिया कि किताबों की कमी से वे अपने क्षेत्र के बच्चों का भविष्य अंधकारमय नहीं होने देंगे। अपने इसी मिशन की वजह से आज वह झारखंड के कई जिलों में बच्चों के लिए 'लाइब्रेरी मैन' बन गए हैं। संजय जी ने जब अपनी नौकरी की शुरुआत की थी, तब उन्होंने पहला पुस्तकालय अपने पैतृक स्थान पर बनवाया था। नौकरी के दौरान उनका जहां भी ट्रांसफर होता था, वहां वे गरीब और आदिवासी बच्चों की पढ़ाई के लिए लाइब्रेरी खोलने के मिशन में जुट जाते हैं। ऐसा करते हुए उन्होंने झारखंड के कई जिलों में बच्चों के लिए लाइब्रेरी खोल दी हैं। उनका उनका यह मिशन आज एक सामाजिक आंदोलन का रूप ले रहा है। ऐसे अनेक प्रयासों के लिए मैं उनकी विशेष सराहना करता हूं।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के अनुसार- 'किसी भी देश समाज की विकास की प्रक्रिया में युवाओं विशेषकर विद्यार्थियों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। देश की उन्नति में, देश के नेतृत्व में और नए-नए नवाचार को सुदृढ़ करने के लिए युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है।' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी इस बात को भली-भांति समझते हैं, इसलिए वह देश के नवनिर्माण के लिए युवाओं से आगे आने का आह्वान करते हैं। अपने गौरवशाली अतीत, वैभवशाली संपन्न भारत का परिचय प्रधानमंत्री द्वारा मन की बात में समय-समय पर किया जाता है। वह जनता को जीवन के सभी क्षेत्रों से अवगत करवाते रहते हैं। उन्होंने अमृत काल में महान स्वतंत्रता सेनानियों, तीज-त्यौहारों, भारतीय जीवन पद्धति तथा भारतीय संस्कृति से जनता का परिचय करवाया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नागालैंड का उल्लेख करते हुए कहा कि 'नागालैंड में नागा समाज की जीवनशैली, उनकी कला- संस्कृति और संगीत, ये हर किसी को आकर्षित करती है। ये हमारे देश की गौरवशाली विरासत का अहम हिस्सा है। इन परम्पराओं और स्किल को बचाकर अगली पीढ़ी तक पहुंचाने के लिए वहां के लोगों ने एक संस्था बनाई है, जिसका नाम है- 'लिडि-क्रो-यू'। नागा संस्कृति के जो खूबसूरत आयाम धीरे-धीरे खोने लगे थे, 'लिडि-क्रो-यू' संस्था ने उन्हें फिर से पुनर्जीवित करने का काम किया है। इससे इन युवाओं का अपनी संस्कृति से जुड़ाव तो होता ही है, साथ ही उनके लिए रोजगार के नए-नए अवसर भी पैदा होते हैं। नागा लोक-संस्कृति के बारे में ज्यादा से ज्यादा लोग जानें, इसके लिए भी लिडि-क्रो-यू के लोग प्रयास करते हैं'। आपके क्षेत्र में भी ऐसी सांस्कृतिक विधाएं और परम्पराएं होंगी। आप भी अपने-अपने क्षेत्र में इस तरह के प्रयास कर सकते हैं। अगर आपकी जानकारी में कहीं ऐसा कोई अनूठा प्रयास हो रहा है, तो आप उसकी जानकारी मेरे साथ भी जरूर साझा करिए।'

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देश की जनता से संपर्क स्थापित करने के इस प्रयास की चारों ओर प्रशंसा हो रही है। इस कार्यक्रम के माध्यम से वह देश के नागरिकों से राष्ट्र के विकास के लिए किए जा रहे कार्यक्रमों से जुड़ने का आह्वान करते हैं। उनका मानना है कि नागरिक इन कार्यक्रमों में भागीदारी करके देश की प्रगति में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी कहते है- इस रविवार को मन की बात का 100वां एपिसोड प्रसारित होने जा रहा है। मन की बात की यह सेंचुरी राष्ट्र निर्माण में हर देशवासी के प्रयासों को समर्पित है। एक भारत- श्रेष्ठ भारत की भवन को समर्पित है।

क्या लोकसभा चुनावों से पहले वाकई साथ आ पाएंगे नीतीश-तेजस्वी-ममता और अखिलेश?

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपने उपमुख्यमंत्री और राष्ट्रीय जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव के बेटे तेजस्वी यादव के साथ हाल ही में कोलकाता जाकर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और लखनऊ जाकर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव से मुलाकात कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ बड़ा गठबंधन बनने का संकेत देने का भरपूर प्रयास किया है। अगर ये चारों नेता लोक सभा चुनाव से पहले पूरी तरह से एकजुट हो जाते हैं तो इसका सीधा असर देश के तीन बड़े राज्यों- उत्तर प्रदेश, बिहार और पश्चिम बंगाल की राजनीति पर पड़ना तय माना जा रहा है। भाजपा भले ही फिलहाल इन मुलाकातों को अपने लिए कोई बड़ा खतरा नहीं मान रही है लेकिन उसे भी इस बात की गंभीरता का अंदाज बखूबी है। क्योंकि उत्तर प्रदेश, बिहार और पश्चिम बंगाल महज तीन राज्य भर नहीं हैं बल्कि इन तीनों राज्यों में कुल मिलाकर लोक सभा की 162 सीटें आती हैं जो यह तय करती है कि देश की गद्दी पर कौन राज करेगा ?

इसलिए यह कहा जा रहा है कि नीतीश कुमार, तेजस्वी यादव, ममता बनर्जी और अखिलेश यादव के पूरी तरह से साथ आ जाने के बाद उत्तर प्रदेश से आने वाली लोकसभा की 80 सीट, बिहार से आने वाली 40 और पश्चिम बंगाल से आने वाली लोकसभा की 42 सीट यानी कुल मिलाकर 162 लोकसभा सीटों पर असर पड़ना तय है, क्योंकि इन 162

सीटों में से 2019 के लोकसभा चुनाव में एनडीए गठबंधन को 121 सीटों पर जीत मिली थी (2019 के लोकसभा चुनाव में जेडीयू एनडीए गठबंधन का हिस्सा थी)। लेकिन नीतीश कुमार के एनडीए का साथ छोड़कर महागठबंधन में शामिल हो जाने के बावजूद एनडीए सांसदों का यह आंकड़ा 105 सांसदों का होता है। 2019 के लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश में भाजपा को अकेले 62 और उसके गठबंधन सहयोगी अपना दल को 2 सीटों पर जीत हासिल हुई थी। सपा के साथ गठबंधन करने का सबसे ज्यादा लाभ बसपा को मिला और उसके 10 सांसद चुन कर आए जबकि सपा के खाते में लोकसभा की सिर्फ 5 सीटें आईं और कांग्रेस को सिर्फ एक सीट मिली थी।

वहीं पश्चिम बंगाल की 42 सीटों में से 2019 में टीएमसी को 22 और भाजपा को 18 सीटों पर जीत हासिल हुई थी। 2 कांग्रेस को मिली थी। वहीं 2019 के लोक सभा चुनाव में भाजपा गठबंधन को बिहार के 40 में से 39 सीटों पर जिस हासिल हुई जिसमें से भाजपा के खाते में 17, जेडीयू के खाते में 16 और एलजीपी के खाते में 6 लोकसभा सीट आई थी। हालांकि बिहार में जेडीयू के आरजेडी के साथ जाने के बावजूद आज भी बिहार में एनडीए गठबंधन के पास 23 सांसद हैं।

हालांकि इन चारों दलों के एक साथ आने में अभी कई अड़चनें हैं। बिहार में नीतीश कुमार और लालू यादव तो मिल गए हैं लेकिन सवाल यह है कि इस नए गठबंधन में कांग्रेस की भूमिका क्या होगी ? क्या ममता बनर्जी कांग्रेस को सेंट्रल स्टेज देने को तैयार होगी जैसा नीतीश कुमार चाहते हैं ? क्या अखिलेश यादव फिर से कांग्रेस के साथ गठबंधन करना चाहेंगे ? या फिर ये चारों दल कांग्रेस को पूरी तरह से अलग-थलग यानी किनारे कर चुनाव लड़ेंगे ? इन सवालों का जवाब ढूंढ़े बिना इस गठबंधन की कहानी मुकम्मल नहीं होगी। इन अंतर्विरोधों की वजह से ही भाजपा इस गठबंधन को फिलहाल अपने लिए कोई बड़ा खतरा नहीं मान रही है लेकिन पार्टी के आला नेताओं की नजर लगातार इन घटनाक्रमों पर बनी हुई है क्योंकि राजनीतिक स्थिति तो कभी भी बदल सकती है।

ईश्वरप्पा तारीफ के काबिल हैं इसलिए प्रधानमंत्री ने फोन किया,इस पर हंगामा क्यों?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कर्नाटक भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री केएस ईश्वरप्पा से फोन पर बात की तो कांग्रेस ने इसे इस रूप में पेश कर दिया है कि प्रधानमंत्री ने ईश्वरप्पा को ईमानदारी का सर्टिफिकेट दे दिया है। जबकि

प्रधानमंत्री ने ईश्वरप्पा को फोन इसलिए किया था ताकि वह उनकी इस बात के लिए तारीफ कर सकें कि उन्होंने इस बार चुनाव नहीं लड़ने का पार्टी का अनुरोध मान लिया था। यही नहीं भाजपा ने ईश्वरप्पा के बेटे को भी उम्मीदवार नहीं बनाया इसके बावजूद ईश्वरप्पा पार्टी छोड़कर नहीं गये या नाराज होकर घर नहीं बैठे बल्कि पार्टी उम्मीदवारों की जीत सुनिश्चित करने में जुटे हैं। जिन लोगों को ईश्वरप्पा को प्रधानमंत्री का फोन करना खटक रहा है उन्हें यह बात पता होनी चाहिए कि पूर्व मुख्यमंत्री जगदीश शेट्टार सहित दस निवर्तमान विधायक या विधान परिषद सदस्य चुनावों के दौरान भाजपा छोड़कर अन्य दलों में चले गये हैं इसीलिए पार्टी के आला नेताओं के लिए यह जरूरी हो गया है कि जिनके टिकट कटे हैं उनकी नाराजगी दूर करने के लिए उन्हें मनाया जाये। वैसे भी नाराज नेताओं और कार्यकर्ताओं को मनाने का काम हर पार्टी में होता है। भाजपा में भी शीर्ष नेताओं से लेकर संगठन के स्थानीय स्तर के पदाधिकारी तक पार्टी नेताओं या कार्यकर्ताओं की नाराजगी दूर करने के प्रयास करते हैं। हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनावों के दौरान भी जब एक वरिष्ठ नेता ने टिकट नहीं मिलने पर निर्दलीय पर्चा दाखिल कर दिया था तब प्रधानमंत्री ने फोन कर उन्हें समझाने का प्रयास किया था। देखा जाये तो कोई भी पार्टी तभी मजबूत होती है जब उसके नेता और कार्यकर्ता पार्टी के निर्णय का सम्मान करते हैं। इसलिए ईश्वरप्पा ने जो किया इसके लिए उनकी तारीफ होनी ही चाहिए। इसे इस रूप में दर्शाना गलत है कि प्रधानमंत्री ने किसी को ईमानदारी का सर्टिफिकेट दे दिया है या प्रधानमंत्री को भ्रष्टाचार से कोई दिक्कत नहीं है। यदि किसी को यह आपत्ति है कि देश के प्रधानमंत्री किसी राज्य की एक-एक विधानसभा सीट की चिंता क्यों कर रहे हैं तो उन्हें यह भी देखना चाहिए कि नरेंद्र मोदी भाजपा के शीर्ष नेता और पुराने कार्यकर्ता भी हैं। वह भी अन्य नेताओं की तरह चाहेंगे कि उनकी पार्टी को हर सीट पर जीत मिले। नरेंद्र मोदी का मामला तो इसलिए भी अलग हो जाता है क्योंकि उनकी पार्टी सारे चुनाव ही प्रधानमंत्री की छवि के आधार पर लड़ती है।

राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' के रचयिता थे बंकिम चंद्र चटर्जी

देश की आजादी एक लंबे स्वाधीनता आंदोलन की देन है। भारत की आजादी में न सिर्फ राजनेताओं व राजा-महाराजाओं का बल्कि कवियों, साहित्यकारों, वकीलों और विद्यार्थियों का भी विशेष योगदान रहा था। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की आजादी की लड़ाई में कई साहित्य प्रेमियों ने अपनी महान और अमर रचनाओं से आजादी की लड़ाई में नई जान फूंकी थी। इसके अलावा भारतीय भाषाओं के साहित्य को भी मजबूती देते हुए नए आयाम पर पहुंचाया।

ऐसे ही साल 1874 में स्वतंत्रता सेनानी के द्वारा लिखा गया अमर गीत वंदे मातरम भारतीय स्वाधीनता संग्राम का मुख्य उद्घोष बन गया था। बता दें कि वंदे मातरम की रचना करने वाले बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय का आज ही के दिन यानी कि 8 अप्रैल को निधन हो गया था। वंदे मातरम देश का राष्ट्रगीत है। देश का अमरगीत वंदे मातरम लिखने वाले साहित्य रचनाकार और स्वतंत्रता सेनानी बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय हमेशा के लिए अमर हो गए। देश का यह राष्ट्रीय गीत सिर्फ एक गीत या नारा नहीं था। बल्कि साल 1874 के समय में यह गीत लाखों-करोड़ों युवाओं के दिलों में धड़क रहा था।

आप सबने भी स्कूल में इस गीत को गाया होगा। लेकिन इस राष्ट्रीय गीत को लिखे जाने के पीछे की कहानी और इसके रचयिता बंकिम चंद्र के जीवन के संघर्म को आप उतना करीब से नहीं जानते होंगे। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बंकिम चंद्र चटर्जी के जीवन से जुड़ी कुछ खास बातों को बताने जा रहे हैं।

जन्म और शिक्षाः पश्चिम बंगाल के 24 परगना जिले के कांठलपाड़ा गांव में 26 जून, 1838 ईस्वी को बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय का जन्म हुआ था। बंकिम चंद्र बंगला भाषा के शीर्षस्थ व ऐतिहासिक उपन्यासकार रहे हैं। सरल भाषा में आप उन्हें भारत का एलेक्जेंडर ड्यूमा भी कह सकते हैं। उन्होंने अपना अपला उपन्यास साल 1865 में 27 साल की उम्र में लिखा था। यह बांग्ला उपन्यास दुर्गेश नंदिनी था। इस उपन्यास को लिखे जाने के बाद बंकिम ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा।

अपनी शुरूआती शिक्षा पूरी करने के बाद बंकिम 1857 में प्रेसीडेंसी कॉलेज से बीए पास किया। पढ़ाई करने के बाद बंकिम को फौरन नौकरी भी मिल गई। वह डिप्टी मजिस्ट्रेट पद पर नियुक्त हुए। इसके अलावा उन्होंने कुछ सालों तक बंगाल सरकार में सचिव पद पर भी जिम्मेदारियां निभाईं। इस दौरान बंकिम चंद्र को रायबहादुर और सीआईई जैसी

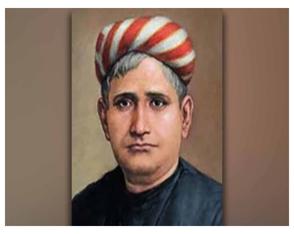

उपाधियों से भी नवाजा गया। वहीं साल 1891 में बंकिम ने सरकारी नौकरी से रिटायरमेंट ले लिया। इसके बाद उन्होंने बंगला और हिंदी भाषा में लेखन का कार्य कर अपनी अलग पहचान बनाई।

वंदे मातरम की रचनाः बंकिम चंद्र चटर्जी ने साल 1874 में वंदे मातरम गीत की रचना की। उन्होंने इस गीत की रचना भारत के लोगों में देशभक्ति का भाव जगाने के लिए किया था। प्राप्त जानकारी के अनुसार, अंग्रेजों ने इंग्लैंड की रानी के सम्मान में गॉड! सेव द क्वीन गीत को हर आयोजन या कार्यक्रम पर गाना अनिवार्य कर दिया था। अंग्रेजों के इस फैसले से बंकिम समेत कई देशवासी दुखी और आहत हुए थे। इसी गीत के जवाब में बंकिम ने साल 1874 में वंदे मातरम गीत की रचना की। बता दें कि राष्ट्रीय गीत के मुख्य भाव में भारत भूमि को माता का संबोधन दिया गया है। वहीं साल 1882 में आए उपन्यास आनंदमठ में भी इस राष्ट्रीय गीत को शामिल किया गया था। यह उपन्यास ऐतिहासिक और सामाजिक ताने-बाने से भरपूर था। जिसने देश में राष्ट्रीयता की भावना को जगाने में काफी अहम योगदान दिया था।

पहली बार गाया गया राष्ट्रीय गीतः भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का एक अधिवेशन साल 1896 में कलकत्ता में हुआ था। तब पहली बार वंदे मातरम गीत को गाया गया था। जिसके कुछ समय बाद ही यह गीत अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ गाया जाने लगा। उस दौरान वंदे मातरम भारतीय क्रांतिकारियों का पसंदीदा गीत और मुख्य उद्घोष बन गया। भारत की आजादी की लड़ाई में न सिर्फ क्रांतिकारियों बल्कि बच्चे, युवा, व्यस्क और प्रौढ़ से लेकर महिलाओं की जुबान पर भी यही गीत और नारा रहता था।

वंदे मातरम की धुन

बताया जाता है कि बंकिम चंद्र के जीवनकाल में उनके द्वारा रचित गीत को अधिक ख्याति नहीं मिल पाई थी। लेकिन इस बात से इंकार भी नहीं किया जा सकता है कि आजाद भारत के युवाओं के दिलों में यह गीत आज भी अमर राष्ट्र भाव के साथ धड़कता है। कहा जाता है कि वंदे मातरम गीत की धुन रवींद्रनाथ टैगोर ने बनाई थी। जिसके बाद 24 जनवरी, 1950 को आजाद भारत के पहले राष्ट्रपति राजेंद्र प्रसाद ने वंदे मातरम को राष्ट्रीय गीत की दर्जा दिया था।

निधनः अपनी रचनाओं से युवा और क्रांतिकारियों के मन में आजादी की अलख जगाने वाले महान रचनाकार का 56 साल की आयु में 8 अप्रैल 1894 को निधन हो गया था। 19वीं सदी के इस महान क्रांतिकारी उपन्यासकार ने सदा के लिए अपनी आखें बंद कर ली थीं।

प्रमुख रचनाएंः प्रथम अंग्रेजी में प्रकाशित रचना राजमोहन्स वाइफ 1865 में प्रथम बांग्ला उपन्यास दुर्गेश नंदिनी 1866 में सबसे चर्चित उपन्यास कपालकुंडला 1872 में मासिक पत्रिका बंगदर्शन का प्रकाशन 1873 में उपन्यास विषवृक्ष 1882 में राष्ट्रीय दृष्टिकोण आधारित उपन्यास आनंदमठ 1886 में अंतिम उपन्यास सीताराम।

बजरंग दल पर बैन लगाने के वादे पर बुरी फंसी कांग्रेस, बीजेपी पूरे राज्य में करेगी हनुमान चालीसा का पाठ

नई दिल्ली। कर्नाटक विधानसभा चुनाव में कांग्रेस द्वारा जारी किए गए घोषणा पत्र में बजरंग दल पर बैन लगाने का दावा उल्टा पड़ता दिख रहा है। बता दें कि जिस तरह से भाजपा ने इस मुद्दे पर कांग्रेस को घेरना शुरू किया है। ऐसे में वह राज्य में कमोवेश की स्थिति बनती दिखाई दे रही है। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी अपने रैलियों में भाषण की शुरूआत जय बजरंग बली के नारे से कर इस मुद्दे को और हवा दे दी है। अब इस मुद्दे को और बड़ा मुद्दा बनाने के लिए प्रदेश भर में भाजपा हनुमान चालीसा का पाठ कराने जा रही है। जिसके बाद ऐसा माना जा रहा है कि कहीं कांग्रेस पार्टी का यह दांव उसी पर उल्टा न पड़ जाए। पीएम मोदी ने जनता से कहा कि कांग्रेस भ्रष्टाचार में बुरी तरह से लिप्त है। उन्होंने कहा कि राज्य की जनता को बजरंग बली के नारे के साथ वोटिंग के लिए जाना है।

बजरंग बली के नारे के साथ ही भाजपा को वोट देकर कांग्रेस पार्टी को जवाब देने का समय आ गया है। कर्नाटक में बीजेपी समर्थकों ने बजरंग दल पर बैन विवाद के बीच जगह-जगह 'मैं हूं बजरंगी' के पोस्टर लगा दिए। राज्य में लगाए गए इन पोस्टरों पर लिखा है कि कांग्रेस मुझपर प्रतिबंध लगाकर गिरफ्तार करना चाहती है। इसके अलावा पीएम मोदी ने कन्नड़ जिले की रैलियों के बीच कांग्रेस पर विकास विरोधी होने का आरोप भी लगाया। उन्होंने कांग्रेस का नाम लिए बिना कहा कि एक समुदाय को खुश करने के लिए कांग्रेस द्वारा ऐसा वादे किए जा रहे हैं। वहीं डबल इंजन के चौमुखी विकास से कांग्रेस को चिढ़न हो रही है। कर्नाटक के सीएम बसवराज बोम्मई ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि यह कांग्रेस का आखिरी चुनाव होगा। वहीं केंद्रीय मंत्री शोभा करंदलाजे ने आरोप लगाते हुए कहा कि एक हिंदू संगठन पर बैन लगाने का प्रस्ताव लाकर कांग्रेस मुस्लिमों को खुश कर रही है। उन्होंने कहा कि बजरंग दल एए का हिस्सा है। साथ ही वह कभी भी देश विरोधी गतिविधियों में भी शामिल नहीं रहा है। बीजेपी युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और बेंगलुरु दक्षिण सीट से सांसद तेजस्वी सूर्या ने एक पोस्टर शेयर किया है। इस पोस्टर में उन्होंने बजरंगी होने का दावा किया है। उन्होंने लिखा कि वह बजरंगी है, कन्नडिगा हैं और यह हनुमान जी की भूमि है। इसलिए वह कांग्रेस को उनपर प्रतिबंध लगाने की चुनौती देते हैं। बता दें कि कर्नाटक के तटीय जिलों और चिकमंगलूर जिलों में जगह-जगह 'मैं हूं बजरंगी' के पोस्टर लगाए गए हैं।

महाराजा चार्ल्स राजकीय यात्रा पर भारत जाना पसंद करेंगे: बिलिमोरिया

लंदन। भारतीय मूल के मशहूर कारोबारी लॉर्ड करन बिलिमोरिया ने कहा कि ब्रिटेन के महाराजा चार्ल्स तृतीय राजकीय यात्रा पर भारत जाने की इच्छा रखते हैं और इसकी योजना शीघ्र बनाई जानी चाहिए। ब्रिटेन के महाराजा चार्ल्स तृतीय और महारानी कैमिला के राज्याभिषेक समारोह से पहले बिलिमोरिया ने संसद परिसर में वेस्टमिन्टर हॉल में सांसदों के एक समूह से बातचीत के दौरान कहा कि उन्हें भारत-ब्रिटेन संबंधों का मुद्दा उठाने का अवसर मिला और उन्होंने महाराजा से भारत की यात्रा पर जाने के संबंध में विचार करने का अनुरोध किया। ब्रिटेन में कारोबारी तथा 'कोबरा बीयर' के संस्थापक बिलिमोरिया का विचार है कि

महाराजा चार्ल्स तृतीय की राजकीय यात्रा से द्विपक्षीय संबंधों में तेजी आएगी तथा मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) पर चल रही बातचीत को और गति मिलेगी। लॉर्ड बिलिमोरिया ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, " मैंने महाराजा चार्ल्स तृतीय से कहा कि हमारी भारत की राजकीय यात्रा होनी चाहिए क्योंकि इसका द्विपक्षीय संबंधों पर गहरा प्रभाव पड़ेगा तथा भारत-ब्रिटेन के बीच एफटीए बातचीत में भी तेजी आएगी।" उन्होंने कहा, " हम जानते हैं कि महाराजा भारत के मित्र हैं और भारत के प्रति गहरा लगाव रखते हैं। उन्होंने कहा कि वह राजकीय यात्रा पर भारत जाना पसंद करेंगे और हमें इसकी योजना शीघ्र बनानी चाहिए।" इससे पहले महाराजा चार्ल्स तृतीय नवंबर 2019 को भारत गए थे। उस वक्त वह प्रिंस ऑफ वेल्स थे और उन्होंने अपना 71वां जन्मदिन मुंबई में मनाया था। बिलिमोरिया भारत और ब्रिटेन के बीच मजबूत संबंधों के पक्षधर हैं और उन्होंने पिछले वर्ष ब्रिटेन भारत उद्योग कार्यबल बनाने में मदद की थी। उनका यह भी मानना है कि ब्रिटेन में भारतीय मूल के पहले प्रधानमंत्री ऋषि सुनक की भारत यात्रा से भी दोनों देशों के बीच संबंधों को प्रगाढ़ करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा, " प्रधानमंत्री ऋषि सुनक को बड़ा प्रतिनिधिमंडल लेकर जल्द भारत जाना चाहिए, यह काफी वक्त से लंबित है। ब्रिटेन से भारत के लिए अंतिम प्रतिनिधिमंडल 2016 में गया था, लंबा वक्त हो गया है...।

मेक्सिको ने अपना पहला कोविड-19 रोधी टीका विकसित किया

मेक्सिको सिटी। मेक्सिको के अधिकारियों ने बुधवार को घोषणा की कि देश ने अपना पहला कोविड-19 रोधी टीका विकसित कर लिया है। देश में पिछले दो साल से अधिक समय से अमेरिका, यूरोप और चीन में विकसित टीकों के जरिये राष्ट्रव्यापी कोविड टीकाकरण अभियान चलाया जा रहा है। मेक्सिको सरकार ने पूर्व में जानवरों के लिए कई टीकों का निर्माण कर चुकी कंपनी 'एविमेक्स' के साथ मिलकर अपनी पहली कोविड रोधी वैक्सीन 'पैट्रिया' तैयार की है। 'पैट्रिया' शब्द का अर्थ 'मातृभूमि' होता है। हालांकि, फिलहाल यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि इस टीके का इस्तेमाल कब शुरू किया जाएगा। मेक्सिको में 2022 के अंत से कोविड रोधी टीके लगवाने वाले लोगों की संख्या में भारी कमी दर्ज की गई है। देश के पास क्यूबा से खरीदे गए अब्दाला टीके की कई अप्रयुक्त खुराक बची हुई हैं। मेक्सिको सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी आयोग की प्रमुख मारा एलिना इवारेज-बुयेला ने कहा कि नए टीके को बूस्टर खुराक के रूप में इस्तेमाल किए जाने की मंजूरी दी जाएगी। हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया कि सरकार की चिकित्सकीय नियामक एजेंसी ने पैट्रिया टीके के आपात इस्तेमाल की आधिकारिक मंजूरी दे दी है या नहीं। मेक्सिको ने मार्च 2020 में पैट्रिया टीके के निर्माण की प्रक्रिया शुरू की थी।

पहले चरण में नौ मंडलों के 37 जिलों में मतदान जारी, दिग्गजों ने डाले वोट

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में नगरीय निकाय चुनाव के पहले चरण में प्रदेश के नौ मंडलों के 37 जिलों में मतदान हो रहा है। नगरीय निकाय चुनाव के लिए मतदान शाम छह बजे तक चलेगा। आज दिग्गजों ने इस चुनाव में अपना वोट डाला है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर में अपने मताधिकार का प्रयोग किया। मुख्यमंत्री ने अपने आधिकारिक हैंडल से किए गए ट्वीट में वोट डालने के बाद की अपनी तस्वीर टैग की। उन्होंने ट्वीट में कहा, आज नगर निकाय चुनाव-2023 के लिए गोरखपुर में अपने मताधिकार का प्रयोग किया। मतदान हमारा अधिकार होने के साथ ही प्रमुख कर्तव्य भी है। अपने नगर निकाय को और अधिक सशक्त करने के लिए आप भी मतदान अवश्य करें। भारत माता की जय!

मुख्यमंत्री ने पत्रकारों से बातचीत में बताया कि ईश्वर की कृपा है कि कितना सुहावना मौसम है। जनता नगरीय सरकार भी अच्छी चुने, मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें इसके लिए इसे मैं ईश्वर की विशेष कृपा मानता हूं। प्रदेश में राज्य निर्वाचन आयोग ने चुनाव को सकुशल संपन्न कराने के लिए सभी प्रकार की व्यवस्थाएं की हैं। बहुजन समाज पार्टी अध्यक्ष मायावती ने लखनऊ में वोट डाला। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लखनऊ में अपना वोट डाला। रक्षा मंत्री ने कहा कि मैं लखनऊ के सभी मतदाताओं से अपील करता हूं कि वो मतदान निश्चित रूप से करें। बसपा प्रमुख मायावती ने भी अपने मताधिकार का प्रयोग लखनऊ में किया। लखनऊ में वोट डालने के बाद मायावती ने कहा

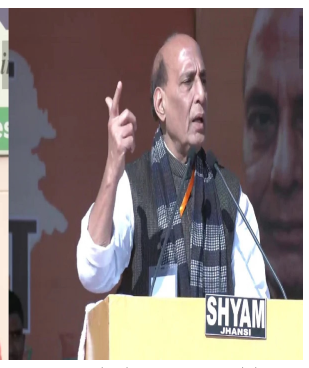

कि हमारी पार्टी ये चुनाव अकेले अपने बलबूते पर और पूरी तैयारियों के साथ लड़ रही है और हमें पूरा भरोसा है कि हमारी पार्टी को अच्छी प्रतिक्रिया मिलेगी। मैं सभी से अपील करूंगी कि वो वोट जरूर डाले।

उप मुख्यमंत्री पाठक ने भी लखनऊ में वोट डाला। उन्होंने कहा कि हम प्रदेश की जनता से अपील करते हैं कि अपने घरों से निकलकर पहले मतदान करें फिर जलपान करें और हर स्थिति में शहरों की सरकार को मजबूती प्रदान करें। चुनाव आयोग लगातार बेहतर ढंग से काम कर रहा है। पहले चरण में सहारनपुर, मुरादाबाद, आगरा, झांसी, प्रयागराज, लखनऊ, देवीपाटन, गोरखपुर और वाराणसी मंडल के 37 जिलों में वोट डाले जा रहे हैं। इन जिलों में 2.40 करोड़ से अधिक मतदाता अपने मत का प्रयोग कर सकेंगे। पहले चरण में नगर निगमों के 10 महापौर और 820 पार्षदों, 103 नगर पालिका परिषद अध्यक्षों, 2,740 नगर पालिका परिषद सभासदों, 275 नगर पंचायत अध्यक्षों और 3,645 नगर पंचायत सदस्यों समेत कुल 7,593 पदों के लिए 44 हजार से अधिक उम्मीदवार अपना भाग्य आजमा रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

पाक के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी आज गोवा पहुंचेंगे

करांची। पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी चार से पांच मई तक गोवा में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के विदेश मंत्रियों की बैठक में शामिल होंगे। हालांकि, भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर और बिलावल भुट्टो-जरदारी के बीच द्विपक्षीय बैठक की कोई योजना नहीं है। पुंछ हमले के कुछ दिनों बाद बिलावल भुट्टो जरदारी की भारत यात्रा हो रही है। पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी आज गोवा पहुंचेंगे। वह शंघाई सहयोग संगठन में पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे। बिलावल भुट्टो ने कहा कि इस बैठक में भाग लेने का मेरा निर्णय एससीओ के चार्टर के प्रति पाकिस्तान की मजबूत प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

एपीएसईजेड ने तीन करोड़ डॉलर में म्यामां बंदरगाह का बिक्री सौदा पूरा किया

नयी दिल्ली। अडाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकनॉमिक जोन (एपीएसईजेड) ने कुल तीन करोड़ डॉलर में म्यामां बंदरगाह की बिक्री का सौदा पूरा कर लिया है। कंपनी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। एपीएसईजेड ने मई, 2022 में म्यामां बंदरगाह की बिक्री के लिए शेयर खरीद करार (एसपीए) की घोषणा की थी। एसपीए में परियोजना को पूरा करने और खरीदार को कारोबार करने के लिए सुगमता से जरूरी मंजूरियों जैसी शर्तें शामिल थीं। एपीएसईजेड ने बयान में कहा कि मंजूरी प्रक्रिया में देरी और कुछ शर्तों को पूरा करने की चुनौती के मद्देनजर एपीएसईजेड ने इसके लिए 'जहां है, जैसा है' के आधार पर स्वतंत्र मूल्यांकन हासिल किया था।

मणिपुर में अचानक क्यों भड़क उठी हिंसा? 8 जिलों में लगा कर्फ्यू, मोबाइल इंटरनेट सेवाएं निलंबित

मणिपुर। मैतेई समुदाय को अनुसूचित जनजाति श्रेणी में शामिल करने की मांग को लेकर प्रदेश में हंगामा मचा हुआ है। अनुसूचित

जनजाति के लिए मेइती की मांग के विरोध में चुराचंदपुर के तोरबंग इलाके में ऑल ट्राइबल स्टूडेंट यूनियन मणिपुर (एटीएसयूएम) द्वारा बुलाए गए आदिवासी एकजुटता मार्च के दौरान हिंसा भड़कने के बाद मणिपुर के कई प्रभावित जिलों में सेना और असम राइफल के जवानों को तैनात किया गया है। सेना ने राज्य में कानून व्यवस्था बहाल करने के लिए बुधवार रात इलाके में दबिश देने का अभ्यास किया। मणिपुर सरकार ने अगले पांच दिनों के लिए राज्य भर में मोबाइल इंटरनेट को निलंबित कर दिया और हिंसा के बाद तत्काल प्रभाव से विभिन्न जिलों में सीआरपीसी की धारा 144 के तहत कर्फ्यू लगा दिया। मंगलवार और बुधवार की रात को सेना और असम राइफल्स की मांग की गई और आज सुबह तक हिंसा पर काबू पा लिया गया। लगभग 4,000 ग्रामीणों को विभिन्न स्थानों पर सेना और असम राइफल्स आकस्मिक संचालन आधार (सीओबी) और राज्य सरकार के परिसरों में आश्रय दिया गया था। स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए सेना के जवानों ने इलाके में फ्लैग मार्च भी किया। मणिपुर हिंसा पर बॉक्सर और पूर्व राज्यसभा सांसद मैरी कॉम ने कहा कि अभी स्थिति बहुत बुरी है और मैं अच्छा महसूस नहीं कर रही हूं। मैं राज्य और केंद्र सरकार से स्थिति के लिए कदम उठाने और राज्य में शांति और सुरक्षा बनाए रखने की अपील करती हूं। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि इस हिंसा में कुछ लोगों ने अपने परिवार के सदस्यों को खो दिया।

किश्तवाड़ में दुर्घटनाग्रस्त हुआ सेना का ध्रुव हेलीकॉप्टर, तीन लोग थे सवार, सभी सुरक्षित

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में मारवाह तहसील के मछना गांव के पास गुरुवार को सेना का एक हेलिकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे के वक्त हेलिकॉप्टर

में तीन लोग सवार थे। सेना के अधिकारी की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक सेना का एएलएच ध्रुव हेलीकॉप्टर किश्तवाड़, जम्मू-कश्मीर के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया। पायलटों को चोटें आई हैं लेकिन वे सुरक्षित हैं।

डोनाल्ड ट्रम्प ने दुष्कर्म के आरोपों को 'हास्यास्पद' करार दिया

न्यूयॉर्क। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक लेखिका द्वारा उन पर लगाए गए दुष्कर्म के आरोपों को 'सबसे हास्यास्पद और घृणित कहानी' करार दिया। न्यूयॉर्क में बुधवार को एक वीडियो के माध्यम से ज्यूरी के समक्ष दी गई गवाही में ट्रंप ने दावा किया कि ये आरोप 'मनगढ़ंत' हैं और उन्होंने मैनहट्टन के डिपार्टमेंट स्टोर में लेखिका ई. जीन कैरल के साथ कभी कोई यौन दुर्व्यवहार नहीं किया था। कैरल के वकीलों ने ज्यूरी के सामने ट्रंप की वीडियो गवाही का लगभग 30 मिनट लंबा अंश चलाया। इसमें पूर्व राष्ट्रपति यह कहते नजर आ रहे हैं, 'अगर यह (यौन दुर्व्यवहार) हुआ होता, तो बात लंबे समय तक नहीं छिप पाती।

बेहद व्यस्त स्टोर के कर्मचारियों और खरीदारों को किसी तरह की हलचल की आवाज सुनाई देती और वे प्राधिकारियों को तुरंत सूचित कर देते।' ट्रंप पिछले साल अक्टूबर में रिकॉर्ड किए गए इस वीडियो में यह कहते दिख रहे हैं, 'यह सबसे

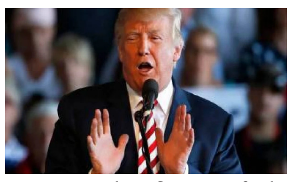

हास्यास्पद और घृणित कहानी है। यह पूरी तरह से मनगढ़ंत है।' यह वीडियो ज्यूरी के प्रत्येक सदस्य के सामने मौजूद स्क्रीन पर प्ले किया गया। इस बीच, मामले में ट्रंप की पैरवी कर रहे वकीलों ने कहा कि वे किसी भी गवाह को नहीं बुलाएंगे। इसके बाद, न्यायाधीश ने कहा कि मामले में आखिरी बहस संभवतः सोमवार को होगी। मंगलवार को ज्यूरी मामले में विचार-विमर्श शुरू करेगी। ट्रंप अभी तक सुनवाई में शामिल नहीं हुए हैं। बुधवार को आयरलैंड की यात्रा के दौरान ट्रंप ने संवाददाताओं से कहा, 'मैंने सुना है कि हम न्यूयॉर्क में बहुत अच्छा कर रहे हैं।' बृहस्पतिवार को मैनहट्टन की संघीय अदालत में ट्रंप की वीडियो गवाही का एक और अंश सुनाए जाने की संभावना है। इसके अलावा, कैरल के वकील तीन और गवाह पेश कर सकते हैं। कैरल ने मामले में हर्जाने की मांग को लेकर ट्रंप के खिलाफ मुकदमा दायर किया है। वह पूर्व राष्ट्रपति से इस बयान को वापस लेने की भी मांग कर रही हैं कि कैरल द्वारा लगाए गए आरोप मानहानिकारक हैं।

रूस, चीन, पाक समेत 8 सदस्य देशों के विदेश मंत्री मेहमान, जयशंकर मेजबान, एससीओ की बैठक का क्या रहेगा एजेंडा?

शंघाई। सहयोग संगठन (एससीओ) के आठ सदस्य देशों के विदेश मंत्री 4 और 5 मई को गोवा में बैठक करेंगे। यह महत्वपूर्ण बैठक नई दिल्ली में जुलाई में होने वाले एससीओ नेताओं के शिखर सम्मेलन के लिए मंच तैयार करेगी। मेजबान के रूप में भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर तैयारियों की निगरानी के लिए एक दिन पहले पहुंचे। समरकंद सम्मेलन 2022 के बाद भारत ने एससीओ की अध्यक्षता ली थी। वह विदेश मंत्रियों सहित एससीओ की कई बैठकों व सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है।

2017 में एससीओ का पूर्ण सदस्य बनने के बाद से भारत संचार की आधिकारिक भाषा के रूप में 'अंग्रेजी' को जोड़ने के लिए दबाव बना रहा है। इस तरह का पहला प्रस्ताव 2020 में रखा गया था, जो भारत और पाकिस्तान को एक ऐसे समूह में पूर्ण सदस्य के रूप में शामिल करने के लिए आवश्यक था, जिसमें केवल रूसी और मंदारिन ही ब्लॉक की आधिकारिक और कामकाजी भाषाएँ थीं, जिसकी स्थापना रूस, चीन और चार मध्य एशियाई देशों ने की थी। भारत की अध्यक्षता में एससीओ के एजेंडे में उन्नत प्रौद्योगिकी और डिजिटल बुनियादी ढांचे पर ध्यान देने के साथ समूह का आधुनिकीकरण भी होगा। एजेंडे में विभिन्न क्षेत्रीय, सुरक्षा और राजनीतिक मुद्दों पर क्षेत्रीय समकक्षों के साथ चर्चा भी शामिल है। 2017 में सदस्य बनने के बाद से भारत ने क्षेत्रीय सुरक्षा, रक्षा और

आतंकवाद से निपटने सहित अन्य मुद्दों पर सहयोग को मजबूत करने के लिए लगातार जोर दिया है।

विदेश मंत्री और उनके प्रतिनिधिमंडल 4 मई को गोवा पहुंचना शुरू कर देंगे। सभी प्रतिनिधिमंडल बेनौलिम में ताज एक्सोटिका में रहेंगे, जहां बैठकें होने वाली हैं। एस जयशंकर आने वाले गणमान्य व्यक्तियों के लिए रात्रिभोज की मेजबानी करेंगे। यह अभी भी पुष्टि नहीं हुई है कि पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो सभा में भाग लेंगे या नहीं। आधिकारिक कार्यक्रम 5 मई को बैठक स्थल पर विदेश मंत्रियों और प्रतिनिधिमंडलों के प्रमुखों के आगमन के साथ शुरू होगा, जिसके बाद एक ग्रुप फोटो लिया जाता है। विदेश मंत्रियों की परिषद (सीएफएम) की बैठक सुबह शुरू होगी और दोपहर तक 'निर्णय दस्तावेज' पर हस्ताक्षर किए जाएंगे, जिसके बाद वर्किंग लंच होगा। नए संवाद भागीदारों के साथ एक ज्ञापन पर हस्ताक्षर के साथ इस कार्यक्रम का समापन होगा। इसके बाद नेता अन्य देशों के अपने संबंधित समकक्षों के साथ विभिन्न द्विपक्षीय बैठकें करेंगे। भारत के 4 मई को तीन द्विपक्षीय बैठकें होने की उम्मीद है। दिन के पहले पहर में एससीओ महासचिव झांग मिंग के साथ, दोपहर 3 बजे के आसपास रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के साथ, इसके बाद चीनी विदेश मंत्री किन गैंग के साथ द्विपक्षीय बैठक (समय नहीं) की पुष्टि की)। एस जयशंकर के 5 मई को अन्य द्विपक्षीय बैठकें करने की उम्मीद है। 1996 में अपनी स्थापना के बाद से, एससीओ सबसे बड़े क्षेत्रीय संगठनों में से एक के रूप में विकसित, विस्तारित और उभरा है। एससीओ के सदस्य देशों की वैश्विक जीडीपी में करीब 30 फीसदी और दुनिया की 40 फीसदी आबादी रहती है।

राष्ट्रीय समन्वयकों की एससीओ परिषद की बैठक 29 अप्रैल से 3 मई तक भारत गणराज्य के पणजी में हुई, जिसकी अध्यक्षता भारत ने की। उन्होंने राज्य परिषद के एससीओ प्रमुखों और सरकारी परिषद के एससीओ प्रमुखों की बैठकों की तैयारियों के साथ-साथ संगठन की गतिविधियों के अन्य पहलुओं पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया। बैठक का एजेंडा पणजी में 4-5 मई को विदेश मामलों के मंत्रियों की एससीओ परिषद की बैठक की तैयारियों पर केंद्रित था। पार्टियों ने मंत्रिस्तरीय परिषद की बैठक में हस्ताक्षर के लिए प्रस्तुत किए जाने वाले मुख्य मसौदा दस्तावेजों की समीक्षा की और उन पर सहमति व्यक्त की।

राकांपा का नया अध्यक्ष कौन? 5 मई को होगा तय, इस कमेटी के हाथ में फैसला

नई दिल्ली। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के मुख्य प्रवक्ता महेश तापसे ने 4 मई को मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि शरद पवार के उत्तराधिकारी को चुनने के लिए गठित समिति इस मुद्दे पर विचार-विमर्श करने के लिए कल बैठक करेगी। तापसे ने कहा कि हम पवार साहब से अपने फैसले पर पुनर्विचार करने का अनुरोध करेंगे। पार्टी कैडर के बढ़ते दबाव के बाद 82 वर्षीय नेता ने कहा कि उन्हें अपने फैसले पर पुनर्विचार करने में दो-तीन दिन लगेंगे। हालाँकि, पद छोड़ने के फैसले से कयास लगने लगे हैं कि उनका उत्तराधिकारी कौन होगा- बेटी सुप्रिया सुले या भतीजे अजीत पवार? समिति में सुप्रिया सुले, अजीत पवार, प्रफुल्ल पटेल, जयंत पाटिल, छगन भुजबल, दिलीप वलसे पाटिल, अनिल देशमुख, राजेश टोपे और अन्य जैसे वरिष्ठ सदस्य शामिल हैं। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के मुख्य प्रवक्ता महेश तापसे ने 4 मई को मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि शरद पवार के उत्तराधिकारी को चुनने के लिए गठित समिति इस मुद्दे पर विचार-विमर्श करने के लिए कल बैठक करेगी। तापसे ने कहा कि हम पवार साहब से अपने फैसले पर पुनर्विचार करने का अनुरोध करेंगे।

महिला पहलवानों के फूट-फूट कर रोने पर भड़की ममता, कहा-देश देख रहा है, ऐसी हिम्मत मत करो

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को ट्वीट में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी की आलोचना करते हुए जमकर निशाना साधा है। जब प्रदर्शनकारी पहलवानों ने आरोप लगाया कि दिल्ली पुलिस ने जंतर-मंतर पर कल रात हाथापाई के दौरान उनके साथ मारपीट और दुर्व्यवहार किया। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सुप्रीमो ने पीड़ित पहलवानों का समर्थन किया और कहा कि इस तरह हमारी बेटियों के सम्मान को ठेस पहुंचाना बेहद शर्मनाक है। बंगाल की मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत अपनी बेटियों के साथ खड़ा है और मैं एक इंसान के तौर पर अपने पहलवानों के साथ जरूर खड़ी हूं। कानून सबके लिए एक है। शासक का कानून इन सेनानियों की गरिमा को ठेस नहीं पहुँचा सकती। आप उन पर हमला कर सकते हैं लेकिन उनका हौसला नहीं तोड़ सकते। लड़ाई सही है और लड़ाई जारी रहेगी। हमारे पहलवानों को चोट पहुँचाने की हिम्मत मत करो, देश उनके आँसू देख रहा है और देश तुम्हें माफ

नहीं करेगा। मैं अपने पहलवानों से मजबूत रहने का आग्रह करती हूं, मैं अपनी पूरी ताकत उनके साथ साझा करती हूं। बैनर्जी का ट्वीट सोशल मीडिया पर व्याकुल दिख रही महिला पहलवानों का एक वीडियो व्यापक रूप से साझा किए जाने के बाद आया है। महिला रेसलर्स पुलिस पर दुर्व्यवहार का आरोप लगाते हुए रो पड़ी थीं। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भी जंतर-मंतर पर पहलवानों और पुलिस के बीच हाथापाई को लेकर भाजपा पर निशाना साधा और राष्ट्रीय खिलाड़ियों के साथ उसके व्यवहार को शर्मनाक और अहंकारी बताया।

ऐश्वर्या राय बच्चन की वो गलतियां जिसने उनके कॅरियर को पीछे धकेल दिया, वरना आज वह बॉलीवुड के शिखर पर होती...

मुम्बई। ऐश्वर्या राय बच्चन ने मणिरत्नम की इरुवर से ही एक प्रतिभाशाली कलाकार के रूप में अपनी प्रतिभा साबित की है। दो दशक से भी अधिक समय के बाद, अभिनेत्री ने पोन्नियिन सेलवन 1 और 2 के लिए अपने प्रिय मणि गारू के साथ काम किया। और वह एक बार फिर चर्चा में है! ऐश्वर्या का स्टारडम और सफलता बॉलीवुड में अतुलनीय है। अभिनेत्री ने 2000 के दशक में फिल्म उद्योग पर राज किया। उन्होंने समान रुप में फ्लॉप और हाई का स्वाद चखा है, ऐसी कई परियोजनाएँ हैं जिन्हें अभिनेत्री ने अस्वीकार कर दिया, जो ब्लॉकबस्टर बन गईं! आइये आपको बताते हैं वो कौन सी फिल्में थी जिसे ऐश्वर्या राय ने रिजेक्ट किया और वह सुपरहिट हो गयी। **राजा हिन्दुस्तानीः** करिश्मा कपूर और आमिर खान की राजा हिंदुस्तानी 1996 की सबसे बड़ी ब्लॉकबस्टर में से एक थी। हिंदी सिनेमा को दो सितारों के साथ एक क्लासिक जोड़ी मिली। बहुत से लोग नहीं जानते लेकिन ऐश्वर्या को पहले फिल्म में एक भूमिका की पेशकश की गई थी। अभिनेत्री कथित तौर पर फिल्म का हिस्सा नहीं बन सकीं क्योंकि उन्हें मिस वर्ल्ड पेजेंट में भाग लेना था। **कहो ना प्यार हैः** ऋतिक रोशन और अमीषा पटेल दोनों ने 2000 की ब्लॉकबस्टर कहो ना प्यार है के साथ बॉलीवुड में काफी नाम कमाया। हालाँकि, प्रमुख महिला की भूमिका पहले ऐश्वर्या के पास गई। दुर्भाग्य से अभिनेत्री तारीख के मुद्दों के कारण इस परियोजना का हिस्सा नहीं बन सकीं। **कभी खुशी कभी ग़मः** हमने हमेशा शाहरुख खान और काजोल की केमिस्ट्री को पसंद किया है और हमें करण जौहर की ब्लॉकबस्टर ड्रामा, कभी खुशी कभी गम में ये फिर से देखने को मिला लेकिन इससे पहले आपको देवदास की जोड़ी फिर से दिखाई देने वाली थी। क्योंकि फिल्म को एश्वर्या राय को ऑफर किया गया था। मेकर्स पहले ऐश्वर्या को अंजलि के रोल में लेना चाहते थे। अभिनेत्री के टाइट शेड्यूल के कारण यह काम नहीं कर पाया। वही बाद में काजोल के पास गया, और बाकी, जैसा कि हम कहते हैं, ये फिल्म इतिहास है! **मुन्ना भाई एमबीबीएसः** राजकुमार हिरानी की मुन्ना भाई एमबीबीएस में मुन्ना भाई और सर्किट श्योर आकर्षण के केंद्र थे। लेकिन मानें या न मानें, इसमें डॉ सुमन के बिना कोई मुन्ना भाई नहीं हो सकता! ग्रेसी सिंह द्वारा अभिनीत, कॉमेडी-ड्रामा पहले ऐश्वर्या को ऑफर की गई थी। कथित तौर पर, संजय दत्त के अशांत चरण के कारण अभिनेत्री ने इसे ठुकरा दिया। **भूल भुलैयाः** फिल्म को अक्षय कुमार और विद्या बालन की बेहतरीन कृतियों में से एक होना चाहिए। अवनी/मंजुलिका जैसे जटिल किरदार को निभाना आसान नहीं है लेकिन विद्या ने इसे बखूबी निभाया और कैसे! बताया जा रहा है कि विद्या से पहले यह फिल्म ऐश्वर्या के पास गई थी। हालाँकि, वह अज्ञात कारणों से इस परियोजना को नहीं ले सकी। यह फिल्म 2007 की शीर्ष ग्रॉसर बन गई। **बाजीराव मस्तानीः** संजय लीला भंसाली और ऐश्वर्या राय बच्चन ने एक साथ काम किया है और अब तक की सबसे बड़ी हिट फिल्मों में से एक हम दिल दे चुके सनम दी है। एसएलबी बाजीराव मस्तानी के लिए सलमान खान और ऐश्वर्या को कास्ट करना चाहता था, हालांकि, यह जोड़ी काम नहीं कर सकी। सालों बाद, रणवीर सिंह, दीपिका पादुकोण और प्रियंका चोपड़ा के साथ मुख्य भूमिकाओं में फिल्म बनाई गई। और यह भंसाली की एक और ब्लॉकबस्टर परियोजना बन गई।

एआर रहमान के लाइव कॉन्सर्ट में पुलिस ने सिंगर को परफॉर्म करने से किया मना, स्टेज पर पहुंचकर बंद करवाया गाना

मुम्बई। ऑस्कर विनर सिंगर और म्यूजिक कंपोजर एआर रहमान आमतौर पर सुर्खियों से दूर रहते है। मगर इस समय उन्हें लेकर बड़ी खबर सामने आ रही है। एआर रहमान 30 अप्रैल को महाराष्ट्र के पुणे में एक म्यूजिक कॉन्सर्ट में लाइव परफॉर्मेंस दे रहे थे मगर इस दौरान पुलिस ने वहां पहुंचकर सींगर का गाना रुकवा दिया। इसके पीछे बड़ी वजह सामने आई है। जानकारी के मुताबिक पुलिस ने जारी कॉन्सर्ट को बीच में ही रुकवा दिया। यहां तक की पुलिस वालों ने स्टेज पर चढ़कर एआर रहमान को गाना गाने से भी रोक दिया। पुणे के राजा बहादुर मिल इलाके में ये घटना हुई है। एआर रहमान जहां अपनी जादुई और मखमली आवाज से दर्शकों को एंटरटेन कर रहे थे तभी स्थानीय पुलिस वहां पहुंच गई। उन्होंने एआर रहमान का कॉन्सर्ट बीच में ही रुकवा दिया। इसके पीछे कारण बताया गया कि एआर रहमान ने कॉन्सर्ट में परफॉर्म करने के लिए रात 10 बजे के बाद किसी तरह की परमिशन नहीं ली थी। इस कारण ही पुलिस ने पहुंचकर इस कॉन्सर्ट को रुकवा दिया। ऐसे में बीच में ही ये कार्यक्रम बंद हो गया और एआर रहमान भी बैक स्टेज चले गए। इस मामले पर पुलिस ने बयान जारी कर बताया है कि एआर रहमान इस कॉन्सर्ट के दौरान अपना अंतिम गाना गा रहे थे। इस दौरान गाना गाते समय उन्हें इस बात की जानकारी नहीं हुई की रात के 10 बज चुके है। इसके बाद पुलिस के अधिकारियों ने कॉन्सर्ट में पहुंचकर उनसे गाना बंद करने की विनती की। बता दें कि निर्देशों के मुताबिक रात के 10 बजे के बाद गाना अलाउड नहीं है, जिसका पालन करते हुए एआर रहमान ने गाना बंद कर दिया।

पलक तिवारी के लहंगे पर अटक गयी सब की आंखें, फैंस को आई श्वेता तिवारी की याद

मुम्बई।शेन निगम और श्रीनाथ भासी कई बार गलत कारणों से चर्चा में रहे हैं और इस बार वे फिर एक और विवाद में फंस गए हैं। फिल्म एम्प्लॉइज फेडरेशन ऑफ केरला (एफईएफकेए) और केरल फिल्म प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन ने अब निर्माताओं के आरोपों की एक सीरीज के बाद दोनों अभिनेताओं पर प्रतिबंध लगा दिया है। बरखा बिष्ट और एक्टर इंद्रनील सेनगुप्ता के अलग होने की अफवाहें पिछले कुछ समय से आ रही हैं। हालाँकि, दोनों इस मामले पर चुप्पी साधे रहे और जब भी पूछा जाता तो इसे टाल देते थे। हालांकि, बरखा ने आखिरकार इसके बारे में खुलकर बात करने का फैसला किया है और अब उन्होंने अपने तलाक की पुष्टि की है।

अंगरक्षक की शादी में शामिल हुए कार्तिक आर्यन सादगी ने जीता सोशल मीडिया यूजर्स का दिल

मुम्बई। बॉलीवुड के फैन-मेड सुपरस्टार कार्तिक आर्यन एक बार फिर से अपनी सादगी की वजह से सोशल मीडिया पर चर्चा में बने हुए हैं। दरअसल, बीते दिन अभिनेता

ने अपने बॉडीगार्ड सचिन की शादी में शिरकत की। इस दौरान की तस्वीरें कार्तिक ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर भी शेयर की। तस्वीरों के साथ कैप्शन में अभिनेता ने अपने बॉडीगार्ड और उसकी पत्नी को शादी की बधाई दी। कार्तिक ने लिखा, 'बधाई हो, सचिन और सुरेखा, हैप्पी मैरिड लाइफ।' बॉडीगार्ड सचिन की शादी के कार्तिक आर्यन ने बड़े ही सिंपल ऑउटफिट का चुनाव किया। उन्होंने पिली शर्ट के साथ ब्लू डेनिम जीन्स पहनी हुई थी। इस ऑउटफिट में अभिनेता काफी कूल लग रहे थे। सोशल मीडिया यूजर्स को कार्तिक का ये सादगी भरा अवतार काफी पसंद आ रहा है। लोग जमकर अभिनेता की तारीफ करते नजर आ रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, '10 रुपए की पेप्सी, कार्तिक भाई सेक्सी।' एक अन्य ने लिखा, 'क्या खूब लग रहे हो तिवारी जी।' वर्क फ्रंट की बात करें तो कार्तिक आर्यन की हाल ही में फिल्म 'शहजादा' रिलीज हुई थी। इस फिल्म से काफी उम्मीदें जताई जा रही है, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर ये कुछ ज्यादा कमाल नहीं कर पाई। सिल्वर स्क्रीन के बाद अब इस फिल्म को नेटफ्लिक्स पर रिलीज किया गया है। नेटफ्लिक्स पर 'शहजादा' नंबर एक पर ट्रेंड कर रही हैं। इसके अलावा बात करें तो अभिनेता जल्द ही फिल्म 'सत्यप्रेम की कथा' में मुख्य भूमिका निभाते नजर आएंगे। फ़िलहाल फिल्म की शूटिंग चल रही है, जो आने वाले कुछ दिनों में पूरी हो जाएगी। बता दें, 30 अप्रैल को कियारा आडवाणी ने अपने हिस्से की शूटिंग पूरी की है। फिल्म 29 जून, 2023 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

भारतीय सिनेमा के जनक थे दादा साहब फाल्के, फिल्म बनाने के लिए गिरवी रख दिए थे पत्नी की गहने

मुम्बई। हिंदी सिनेमा में दिलचस्पी रखने वाले लोग दादा साहेब फाल्के के नाम से तो भलीभांति परिचित होंगे। शायद ही कोई ऐसा होगा जिसने दादा साहब फाल्के का नाम नहीं सुना होगा। फिल्म इंडस्ट्री में फाल्के साहब का नाम बड़ी इज्जत और सम्मान के साथ लिया जाता है। दादा साहब को भारतीय सिनेमा का पितामह भी कहा जाता है। सिनेमा को लेकर फाल्के साहब की दीवानगी का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है। जब उन्होंने एक फिल्म के निर्माण के लिए अपनी पत्नी के गहने तक गिरवी रख दिए थे। आज ही के दिन यानी की 30 अप्रैल को दादा साहब फाल्के का जन्म हुआ था। आइए जानते हैं दादा साबह फाल्के से जुड़ी कुछ बातों के बारे में... **जन्म और शिक्षाः** दादा साबह फाल्के का जन्म महाराष्ट्र के नाशिक में 30 अप्रैल 1870 में हुआ था। बचपन में उन्हें कई संघर्षों का सामना करना पड़ा था। दादा साहब का असली नाम धुंडिराज गोविंद फाल्के था। उनके पिता गोविंद सदाशिव फाल्के संस्कृत के विद्धान होने के साथ ही मंदिर में पुजारी थे। उनकी शुरूआती शिक्षा बंबई (वर्तमान में मुंबई) में हुई, यहां से हाई स्कूल की पढ़ाई करने के बाद वह आगे की शिक्षा के लिए जे.जे. स्कूल ऑफ आर्ट्स कॉलेज गए और फिर इसके बाद वड़ोदरा के महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय में एडमिशन लिया। जहां दादा साहब ने चित्रकला, इंजीनियरिंग, ड्राइंग, मूर्तिकला और फोटोग्राफी सीखी। **फिल्मी करियरः** दादा साहब को फिल्म निर्माण के दौरान कई मुश्किलों का सामना करना पड़ा, लेकिन उन्होंने कभी भी हालात के सामने समझौता नहीं किया और फिल्म बनाकर ही मानें। साल 1913 में दादा साहब ने पहली फुल लेंथ फीचर फिल्म 'राजा हरिशचंद्र' बनाई थी। वह न

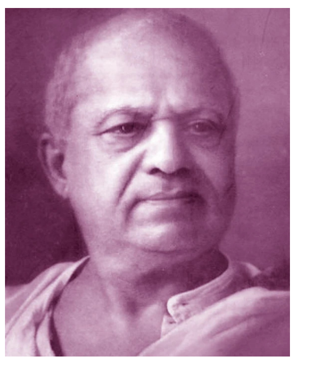

सिर्फ एक सफल फिल्म निर्देशक बल्कि एक जाने माने निर्माता और स्क्रीन राइटर भी थे। अपने 19 साल के फिल्मी करियर में दादा साहब फाल्के ने करीब 95 फिल्में और 27 शॉर्ट फिल्में बनाई थीं। बताया जाता है कि अपनी फिल्म में नायिका की तलाश के लिए वह रेड लाइट एरिया भी पहुंच गए थे। आमतौर पर देखा जाए तो फिल्मों के लिए दादा साहब ने वह सब किया जो सभ्य समाज की आंखों में खटकता है। द लाइफ ऑफ क्राइस्ट देखने के बाद दादा साहेब फाल्के को फिल्म बनाने का ख्याल आया। इस फिल्म ने उनपर इतनी गहरी छाप छोड़ी थी कि उन्होंने ठान लिया था कि वह भी फिल्म बनाएंगे। हालांकि यह आसान काम नहीं था। लेकिन इसके लिए दादा साहब ने कड़ी मेहनत की और वह दिन में करीब 4-5 घंटे सिनेमा देखा करते थे। ताकि वह उसकी बारिकियां सीख सकें। कई घंटों तक सिनेमा देखने के कारण दादा साहब की आंखों पर भी इसका बुरा असर पड़ा था। प्राप्त जानकारी के अनुसार, दादा साहब की पहली फिल्म का बजट 15 हजार रुपए था। इस फिल्म के लिए उन्होंने अपना सब कुछ दांव पर लगा दिया था। बता दें कि उस दौरान फिल्म बनाने के जरूरी उपकरण सिर्फ इंग्लैंड में ही मिलते थे। इंग्लैंड जाने के लिए दादा साहब ने अपनी पूरी जिंदगी की सारी जमापूंजी उस यात्रा में लगा दी थी। वहीं पहली फिल्म बनाने में उन्हें करीब 6 महीने का समय लग गया था। दादा साहेब की आखिरी मूक फिल्म 'सेतुबंधन' थी। दादा साहब द्वारा भारतीय सिनेमा की शुरूआत किए जाने के तौर पर उनके सम्मान में 'दादा साहब फाल्के अवॉर्ड' दिया जाता है। 'दादा साहब फाल्के अवॉर्ड' की शुरूआत साल 1969 में हुई थी। सबसे पहली बार इस अवॉर्ड से देविका रानी को नवाजा गया था। दादा साहब फाल्के की मुख्य फिल्में- मोहिनी भस्मासुर (1913) राजा हरिश्चंद्र (1913) सावित्री सत्यवान (1914) लंका दहन (1917) कृष्ण जन्म (1918) कालिया मर्दन (1919) शकुंतला (1920) कंस वध (1920) संत तुकाराम (1921) भक्त गोरा (1923) सेतु बंधन (1932) गंगावतरण (1937) **दादा साहब फाल्के का निधन-**बॉलीवुड इंजस्ट्री को उसका आधार देने वाले महान फिल्म निर्माता दादा साहब फाल्के अपने जीवन के आखिरी समय में नासिक चले गए थे। बता दें कि साल 1938 में इंडियन सिनेमा की रजत जयंती पूरी होने पर निर्माताओं, निर्देशक, आदि ने कुछ धनराशि एकत्र कर फाल्के साहब के लिए नासिक में घर बनवाया था। इसी घर में भारतीय सिनेमा के जनक दादा साहब फाल्के ने 16 फरवरी 1944 को इस दुनिया को अलविदा कह दिया।

अब ऐसी फिल्म करना चाहते हैं अर्जुन कपूर

मुम्बई। फिल्म की एंड का की सफलता का स्वाद चख रहे अभिनेता अर्जुन कपूर का कहना है कि वह बायोपिक करना चाहते हैं, लेकिन इसके लिए जरूरी है कि वह उसके किरदार से खुद को जोड़ पाएं। अर्जुन (30) ने कहा कि वह किसी भी कलाकार को बायोपिक तभी करनी चाहिए जब वह किरदार से खुद को जोड़ पाए, इसलिए नहीं कि बस सभी ऐसा कर रहे हैं। अर्जुन ने कहा, आपको बायोपिक तभी करनी चाहिए जब आप खुद को इससे जोड़ पाएं, न कि इसलिए कि सभी ऐसा कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि उनके लिए बायोपिक करने की एक महत्वपूर्ण शर्त पटकथा का अच्छा होना भी है।

रामायण के लक्ष्मण का दिखा सेक्सी अंदाज

नई दिल्ली। दूरदर्शन पर लॉकडाउन के दौरान रामानंद सागर की रामायण का टेलीकास्ट किया गया। रामायण बच्चे, बूढ़े, जवानों सहित सभी लोगों ने खूब पसंद किया। रामायण की लोकप्रियता के कारण दूरदर्शन की टीआरपी ने छप्पर फाड़ दिया। बड़े-बड़े चैनल दूरदर्शन के सामने घराशाही हो गये। रामायण को लोगों ने इतना क्यों पसंद किया उसका कारण है रामायण की कास्ट और बिना कोई मसाला एड किए बिना केवल रामायण को बनाने वाली इसका निर्देशन। रामायण के हर कलाकार ने अपने अभिनय से अपने किरदार को पर्दे पर जिंदा कर दिया था। रामायण मे लक्ष्मण का किरदार निभाने वाले सुनील लहरी का लोग असली नाम भूल गये थे उन्हें आज तक लोग लक्ष्मण के नाम से ही जानते हैं। रामायण के लक्ष्मण ने सोशल मीडिया पर अपनी एक बहुत ही रोमांटिक तस्वीर शेयर की है। तस्वीर को अगर आप सुनील की लक्ष्मण की छवि से बाहर निकल कर देखोगे तो उनकी ये तस्वीर काफी सेक्सी है। लक्ष्मण अपनी यंग एज के दौरान काफी हैंडसम थे। ज्यादा फर्क तो आज भी नहीं आया है। सुनील ने हाल ही में ट्विटर हैंडल पर अपनी एक ऐसी ही अनसीन फोटो शेयर की है जिसमें वे एक्ट्रेस अनुराधा के साथ अंडरवाटर रोमांटिक सीन करते नजर आ रहे हैं। सुनील की ये तस्वीर उनके फैंस काफी ज्यादा पसंद कर रहे हैं। साथ ही काफी अच्छे कमेंट भी कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा कि सुनील आप बहुत हॉट थे। सुनील के द्वारा शेयर की गई ये तस्वीर 1985 में आयी फिल्म बरसात के सेट की है जिसमें सुनील एक्ट्रेस अनुराधा के साथ रोमांटिक पोज देते नजर आ रहे हैं। आपको बता दें कि रामायण के रिपीट टेलीकास्ट के बाद सोशल मीडिया पर सुनील की फैन फॉलोइंग काफी बढ़ गई है। आजकल सुनील सोशल मीडिया पर कुछ न कुछ शेयर करके अपने फैंस अपनी अपडेट देते रहते हैं।

जब 7 साल का रिश्ता खत्म कर, शबाना ने थाम लिया था जावेद अख्तर का हाथ

मुम्बई। शबाना आजमी बॉलीवुड की दिग्गज अभिनेत्रियों में से एक हैं। फिल्म इंडस्ट्री में शबाना आज़मी ने अपनी एक्टिंग के बल पर ये मुकाम हासिल किया हैं। शबाना आज़मी ऐसी अदाकाराओं में से एक हैं जिन्होंने हिंदी सिनेमाजगत पर करीब 4 दशक तक राज किया। शबाना आज़मी ने अपने फिल्मी करियर मे कई जबरदस्त फिल्में दी हैं इसलिए आज भी उनका नाम बॉलीवुड की मशहूर एक्ट्रेस की लिस्ट में शुमार है। शबाना आज़मी की आज भी फिल्मे आती हैं वो अब सबजेक्टिव फिल्में करती हैं। शबाना ने अपने फिल्मी करियर में बहुत से ऐसे किरदार निभाएं हैं और उनको पर्दे पर जीवंत कर दिया। शबाना ने कई लव स्टोरी फिल्में की और कुछ में मां का किरदार निभाया। फिल्म अनोखा बंधन में शबाना में भाभी मां के किरदार को बखूबी हैं। शबाना आजमी हिंदी सिनेमा की ऐसी मंझी हुई अदाकारा हैं जो खुद को हर अभिनय के अनुरूप उसी साँचे ढल जातीं हैं। उन्होंने हिंदी फिल्मों में तरह तरह के रोल अदा किये हैं। वह आज भी फिल्मों में सक्रिय हैं। शबाना आजमी का जन्म 18 सितम्बर 1950 को हैदराबाद में हुआ लेकिन अब ये जगह हैदराबाद नहीं तेलंगाना राज्य के अंदर आती हैं। शबाना आजमी का के पिता अक मशहूर शायर थे उनका नाम कैफी आजमी था। कैफी जी की शायरी की मिसालें आज भी दुनिया देती हैं। शबाना आजमी की मां शौकत आजमी एक बेहतरीन थिएटर आर्टिस्ट्स थीं। शबाना आजमी और फिल्ममेकर शेखर कपूर प्यार में थे और इनका ये रिश्ता लगभग सात साल चला लेकिन बाज में ये दोनों अलग हो गये। और इस रिश्ते के खत्म होने के बाद शबाना आजमी ने इसके बाद मशहूर गीतकार और राइटर जावेद अख्तर के साथ 9 दिसंबर 1984 को निकाह पढ़ लिया। 1974 में शबाना आजमी ने अपने फिल्मी करियार की शुरूआत श्याम बेनेगल की फिल्म 'अंकुर' से की थी। इस फिल्म की कहानी एक सच्ची लव स्टोरी पर आधारित थी। इस प्यार की शुरूआत हैदराबाद में हुई थी। इस फिल्म में शबाना आजमी ने शादीशुदा नौकरानी का किरदार निभाया था जिसे कॉलेज के एक लड़के से प्यार हो जाता है। कहा जाता है कि इस फिल्म के लिए शबाना डायरेक्टर की पहली पसंद नहीं थी लेकिन उस वक्त की सभी हीरोइनों ने इस रोल को करने के लिए मना कर दिया था जिसके बाद यह किरदार शबाना आजमी ने निभाया।

फिल्म अकुंर के बाद हिट होने के बाद शबाना आजमी की किस्मत खुल गई और फिल्म शुरू हुआ शबाना का अच्छा समय सन् 1983 से 1985 तक लगातार तीन सालों तक उन्हें सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के राष्ट्रीय पुरस्कार से नवाजा गया। फिल्म अर्थ, खंडहर और पार जैसी फिल्मों के लिए उनके अभिनय को राष्ट्रीय पुरस्कार से नवाजा गया। **प्रसिद्ध फ़िल्में:**अंकुर, अमर अकबर अन्थोनी , निशांत, शतरंज के खिलाडी, खेल खिलाडी का, हिरा और पत्थर, परवारिश, किसा कुर्सी का, कर्म, आधा दिन आधी रात, स्वामी ,देवता ,जालिम ,अतिथि ,स्वर्ग-नरक, थोड़ी बेवफाई स्पर्श अमरदीप ,बगुला-भगत, अर्थ, एक ही भूल हम पांच, अपने पराये ,मासूम,लोग क्या कहेंगे, दूसरी दुल्हन गंगवा,कल्पवृक्ष, पार, कामयाब ,द ब्यूटीफुल नाइट, मैं आजाद हूँ, इतिहास,मटरू की बिजली का मंडोला।

मेष-ःतली-भुनी चीजों से दूर रहें और नियमित व्यायाम करते रहें. घरेलू सुख-सुविधा की चीज़ों पर ज़रूरत से ज़्यादा खर्च़ न करें। पिता का तल्ख बर्ताव आपको नाराज़ कर सकता है।

वृष-ःजीवन की सभी कठिन परिस्थितियों में आपको अपने माता-पिता का पूरा सहयोग मिलेगा. जो लोग प्रेम के मोर्चे पर मायूस महसूस कर रहे हैं।

मिथुन-ःक्षणिक क्रोध विवाद और दुर्भावना का कारण बन सकता है. मनोरंजन और सौन्दर्य वृद्धि पर आवश्यकता से अधिक समय व्यतीत न करें।

कर्क-ःआज सभी ग्रह और सितारे आपके पक्ष में हैं, आप जिस भी काम में हाथ डालेंगे, उसमें आपको सफलता जरूर मिलेगी. आज के दिन यात्रा की योजना बन सकती है।

सिंह-ःआपकी इच्छा शक्ति को प्रोत्साहन मिलेगा, क्योंकि आप बहुत उलझी हुई परिस्थितियों से निकलने में कामयाब रहेंगे. भावनात्मक फैसले लेते समय अपनी तार्किकता को न छोड़ें।

कन्या-ःप्रेम के मामले में सफलता मिलेगी. नए कार्यों की शुरुआत करना शुभ रहेगा। आज अपने प्रिय के साथ अपनी व्यक्तिगत भावनाओं और गोपनीय मामलों को साझा करने का सही समय है।

तुला-ः जो लोग आपके पास कर्ज के लिए आते हैं, बेहतर होगा आप उन्हें नज़रंदाज़ करें. पारिवारिक मोर्चे पर चीज़ें अच्छी रहेंगी और आप अपनी योजनाओं को पूरा समर्थन मिलने की उम्मीद कर सकते हैं।

वृश्चिक-ःछात्रों के लिए दिन अनुकूल है क्योंकि प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिल सकती है। ज़मीन-जायदाद संबंधी कार्य स्थगित करना आपके हित में रहेगा।

धनु-ःइससे पहले कि नकारात्मक विचार मानसिक रोग का रूप लें, आपको उन्हें समाप्त कर देना चाहिए. आप किसी परोपकारी कार्य में हिस्सा लेकर ऐसा कर सकते हैं।

मकर-ःलंबे समय से चली आ रही दिक्कतों से आज आपको छुटकारा मिल सकता है. आगे बढ़ने के बजाय अपने सभी आगामी कार्यों को पूरा करना ही समझदारी होगी।

कुंभ-ःभावनात्मक रूप से बहुत अच्छा दिन नहीं रहेगा. आर्थिक समस्याओं के कारण आपको आलोचना और वाद-विवाद का सामना करना पड़ सकता है।

मीन-ःआज आप सकारात्मक ऊर्जा से भरपूर रहेंगे, जिसका असर आपके आसपास के लोगों पर भी पड़ेगा. खुद के काम से समय निकालकर परिवार के साथ अधिक समय बिताना संभव नहीं होगा।

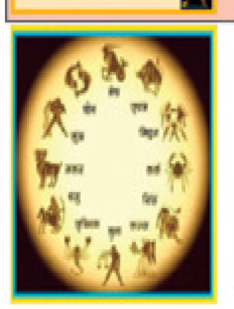

विज्ञापन प्रतिनिधि
श्री सुजीत कुमार
मो. 7007632314

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
दीपक अरोरा द्वारा
रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com
नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।